राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 25 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–180 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

द्रौपदी मुर्मू आज लेंगी राष्ट्रपति पद की शपथ, 21 तोपों की दी जाएगी सलामी

नई दिल्ली। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद की शपथ लेंगी और उसके बाद उन्हें 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि समारोह कल सुबह करीब सवा 10 बजे संसद के केंद्रीय कक्ष में होगा, जहां प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण उन्हें राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाएंगे। गृह मंत्रालय ने कहा कि इसके बाद उन्हें 21 तोपों की सलामी दी जाएगी। इसके बाद राष्ट्रपति का संबोधन होगा। समारोह से पहले निवर्तमान राष्ट्रपति और निर्वाचित राष्ट्रपति संसद पहुंचेंगे। उपराष्ट्रपति व राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मंत्रिपरिषद के सदस्य, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राजनयिक मिशनों के प्रमुख, संसद सदस्य और सरकार के प्रमुख असैन्य एवं सैन्य अधिकारी समारोह में शामिल होंगे।

इंटर-सर्विस गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया जाएगा

संसद के केन्द्रीय कक्ष में समारोह के समापन पर राष्ट्रपति राष्ट्रपति भवन के लिए रवाना होंगी, जहां उन्हें एक इंटर-सर्विस गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और निवर्तमान राष्ट्रपति का शिष्टाचार सम्मान किया जाएगा। मुर्मू (64) ने गुरुवार को विपक्षी दलों के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को हराकर इतिहास रच दिया।

आजादी के बाद पैदा होने वाली होंगी पहली राष्ट्रपति

मुर्मू ने निर्वाचक मंडल सहित सांसदों और विधायकों के 64 प्रतिशत से अधिक वैध वोट हासिल किए और भारी मतों के अंतर से चुनाव जीता। वह देश की 15वीं राष्ट्रपति बनेंगी। मुर्मू को सिन्हा के 3,80,177 वोटों के मुकाबले 6,76,803 वोट मिले। वह आजादी के बाद पैदा होने वाली पहली और शीर्ष पद पर काबिज होने वाली सबसे कम उम्र की राष्ट्रपति होंगी। वह राष्ट्रपति बनने वाली दूसरी महिला भी हैं।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

सिल्वर जीतने पर पीएम मोदी ने दी नीरज चोपड़ा को बधाई, बोले-यह बेहद खास पल

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरे देश ने बधाई दी है। चोपड़ा ने अमेरिका के यूजीन में चल रही चैम्पियनशिप की भालाफेंक स्पर्धा में 88.13 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। इससे पहले भारत के लिये विश्व चैम्पियनशिप में एकमात्र पदक 2003 में पेरिस में अंजू बॉबी जॉर्ज ने लंबी कूद में कांस्य जीता था।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ''हमारे सबसे प्रतिभावान खिलाड़ियों में से एक नीरज चोपड़ा की महान उपलब्धि। विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने पर नीरज चोपड़ा को बधाई । उन्होंने आगे लिखा ,''भारतीय खेलों के लिए यह खास पल। आगामी टूर्नामेंटों

के लिए नीरज को शुभकामना । चोपड़ा ने पिछले साल टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था और निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाले वह पहले भारतीय हैं। उन्हें विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक जीतने के बाद ट्विटर पर लोगों ने इस तरह बधाई दी।

दिग्गज दे रहे नीरज चोपड़ा को बधाई

विदेश मंत्री एस जयशंकर : विश्व चैम्पियनशिप में शानदार रजत पदक जीतने पर नीरज चोपड़ा को बधाई । शानदार उपलब्धि जो भारतीय खेलों को आगे ले जाएंगी।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह : सूबेदार नीरज चोपड़ा की अप्रतिम सफलता पर भारत हर्षित है। विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई।

● चोपड़ा ने अमेरिका के यूजीन में चल रही चैम्पियनशिप की भालाफेंक स्पर्धा में 88.13 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। इससे पहले भारत के लिये विश्व चैम्पियनशिप में एकमात्र पदक 2003 में पेरिस में अंजू बॉबी जॉर्ज ने लंबी कूद में कांस्य जीता था।

उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता से बेहतरीन नतीजे निकल रहे हैं। हमें उन पर गर्व है।

कानून मंत्री किरेन रीजीजू : नीरज चोपड़ा ने विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतकर फिर इतिहास रचा है। वह विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरूष और अंजू बॉबी जॉर्ज के बाद दूसरे भारतीय एथलीट बन गए । बधाई । भारतीय एथलेटिक्स महासंघ : क्या चैम्पियन है। क्या खिलाड़ी है । विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत को पहला रजत। विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले अंजू बॉबी जॉर्ज के बाद दूसरे भारतीय।

वीरेन रासकिन्हा, पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान : भारी दबाव के बीच एक और शानदार प्रदर्शन। इतने बड़े स्तर पर इतना शांतचित्त रवैया । बधाई नीरज चोपड़ा ।

CJI के मीडिया ट्रायल वाले बयान पर अनुराग ठाकुर बोले

ये अपने आप में बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है

नई दिल्ली। अनुराग ठाकुर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमण जी ने रांची में एक बयान दिया कि कुछ मीडिया हाउस कंगारू अदालत की तरह काम करती हैं। ये अपने आप में बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। भारत के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने आज कहा कि कहा कि मीडिया द्वारा चलाई जा रही कंगारू अदालतें और एजेंडा आधारित बहसें लोकतंत्र के लिए हानिकारक हैं। इसी को लेकर केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का भी बयान सामने आ गया है। एक बयान में अनुराग ठाकुर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमण जी ने रांची में एक बयान दिया कि कुछ मीडिया हाउस कंगारू अदालत की तरह काम करती हैं। ये अपने आप में बहुत बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह एक बार अंदर झांकने के लिए लोगों को मजबूर भी करता है किक्या समाचार चलाते हुए आप कहीं लक्ष्मण रेखा को लांघ तो नहीं जाते हैं। क्या मीडिया ट्रायल तो नहीं होता है। उन्होंने मीडिया के सामने इस तरह का प्रश्न खड़ा किया है। वहीं प्रधान न्यायाधीश के बयान पर कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मुझे लगता है कि CJI एन.वी. रमना ने अपने संबोधन के दौरान जजों के जीवन के

बारे में बात करने के लिए एक टिप्पणी की और उनकी टिप्पणी को सही परिप्रेक्ष्य में समझा जा सकता है और इस पर चर्चा की जा सकती है। मैं इस समय कोई टिप्पणी नहीं दूंगा। आपको बता दें कि रांची में न्यायमूर्ति सत्यव्रत सिन्हा की याद में स्थापित व्याख्यान के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि मीडिया ट्रायल से न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्ष कामकाज प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि मीडिया ट्रायल किसी मामले में फैसला लेने में मार्गदर्शक कारक साबित नहीं हो सकता है।

तेलंगाना में हर घर में फहराया जाएगा तिरंगा, स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए सरकार बांटेगी 1.20 करोड़ झंडे

हैदराबाद। देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले तेलंगाना सरकार ने दो सप्ताह सात दिन पहले और 15 अगस्त के इतने ही दिन बाद स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव द्वी सप्तम मनाने का फैसला किया है। सरकार पूरे में फहराने के लिए एक करोड़ 20 लाख राष्ट्रीय ध्वज का वितरण भी करेगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने संबंधित अधिकारियों को देशभक्ति पर जोर देने वाले कार्यक्रमों का आयोजन करने और नई पीढ़ियों को स्वतंत्रता सेनानियों, उनके बलिदानों और राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के परिणामों के बारे में शिक्षित करने का निर्देश दिया है।

हर घर पर फहराया जाए राष्ट्रीय ध्वज

विज्ञप्ति में कहा गया है, सीएम केसीआर ने कहा है कि राज्य में हर घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाना चाहिए। इसके लिए 1.20 करोड़ तिरंगे झंडे उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को घर-घर झंडा फहराने, खेलकूद के आयोजन, निबंध लेखन, कवि सम्मेलन (कवियों का जमावड़ा) और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने के निर्देश दिए ताकि राष्ट्रवाद का संचार किया जा सके।

इस अवसर पर बोलते हुए, केसीआर ने कहा, वर्तमान पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम, बलिदान, तत्कालीन राष्ट्रीय नेताओं और संघर्ष में शहीदों के बारे में परिचित होना चाहिए ... प्रत्येक तेलंगाना नागरिक को स्वतंत्रता दिवस के हीरक जयंती समारोह में भाग लेना चाहिए और एक भारत के रूप में भारत की महिमा का संदेश फैलाना चाहिए।

अधिकारियों को दिए निर्देश

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे गडवाल, नारायणपेट, सिरिसिला, पोचमपल्ली, भोंगिर और वारंगल के हथकरघा और बिजली करघा श्रमिकों को झंडे बनाने का आदेश दें।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को दिए निर्देश-मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव सोमेश कुमार को सभी आबादी वाले स्थानों, बस स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों, सिनेमा हाल, शॉपिंग मॉल, शहरों के स्टार होटलों और मुख्य ट्रैफिक जंक्शनों पर देशभक्ति की भावना को दर्शाते हुए राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। केसीआर ने अधिकारियों को पंचायत राज और नगर प्रशासन विभागों की देखरेख में गांवों से कस्बों तक हीरक जयंती की लौ जलाने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

मीडिया घरानों से देशभक्ति पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित करने की अपील-केसीआर ने मीडिया घरानों से स्क्रीन पर राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित करने और उत्सव के 15 दिनों के दौरान अपने मस्टहेड्स पर तिरंगा झंडा चिन्ह प्रकाशित करने की अपील की। उन्होंने मीडिया कंपनियों से देशभक्ति पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित करने का अनुरोध किया।

श्रीनगर से लखनऊ आ रही फ्लाइट में एयरहोस्टेस से बदसलूकी, अमृतसर एयरपोर्ट में यात्री गिरफ्तार

लखनऊ। श्रीनगर से लखनऊ आ रही इंडिगो की उड़ान में एयरहोस्टेस से बदसलूकी करना यात्री के लिए महंगा पड़ गया। एयरहोस्टेस ने इसकी जानकारी फ्लाइट के कैप्टन को दी। फ्लाइट कैप्टन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को बताया। विमान जैसे ही अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा, सुरक्षाकर्मियों ने यात्री को उतार कर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया। यात्री लखनऊ का रहने वाला है।

शुक्रवार इंडिगो की उड़ान 6ई 6075 श्रीनगर से लखनऊ आ रही थी। यह उड़ान आते और जाते समय अमृतसर होकर उड़ान भरती है। सूत्रों ने बताया कि श्रीनगर से उड़ान भरने के बाद लखनऊ के एक यात्री की किसी बात पर एयरहोस्टेस से नोकझोंक हो गई। इसके बाद यात्री ने एयरहोस्टेस से अभद्रता की, जिसकी सूचना तुरंत उसने फ्लाइट कैप्टन को दी।

फ्लाइट कैप्टन ने जानकारी अमृतसर एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। विमान के उतरने से पहले ही एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मी रनवे के पास तैनात कर दिए गए। जैसे ही विमान उतरा और सीढ़ियां लगीं, आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया गया। यात्री को जमानत पर छोड़ दिया गया। इंडिगो की श्रीनगर-अमृतसर-

लखनऊ उड़ान सप्ताह में तीन दिन है।

उड़ान श्रीनगर से आई थी और लखनऊ जा रही थी। सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी यात्री को कस्टडी में लेकर पुलिस को सौंप दिया।

वीके सेठ, श्री गुरुराम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, अमृतसर पंजाब

कैंसर-डायबिटीज जैसी बीमारियों की दवाएं 70 प्रतिशत तक होंगी सस्ती, 15 अगस्त को सरकार कर सकती है घोषणा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार कैंसर, मधुमेह और हृदय रोगों जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में जरूरी दवाओं की कीमतों में कमी की घोषणा कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए सरकार ने कुछ प्रस्ताव तैयार किए हैं, लेकिन घोषणा को लेकर अभी अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है। अधिकारियों ने कहा कि केंद्र कुछ महत्वपूर्ण दवाओं की ऊंची कीमतों को लेकर चिंतित है और उन्हें नियंत्रित करने का इच्छुक है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक सूत्र ने कहा, प्रस्ताव पारित होने के बाद कीमतों में 70 फीसदी तक की कटौती की जाएगी। केंद्र आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम), 2015 को संशोधित करने के लिए भी काम कर रहा है, ताकि उन दवाओं को शामिल किया जा सके जो वर्तमान में व्यापक प्रचलन में हैं।

केंद्र सरकार लंबी अवधि के लिए रोगियों द्वारा उपयोग की जाने वाली दवाओं पर उच्च-व्यापार मार्जिन को सीमित करने पर भी विचार कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने अंतिम प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 26 जुलाई को फार्मा उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक बुलाई है। सूत्रों के मुताबिक, कुछ दवाओं पर व्यापार मार्जिन 1000 प्रतिशत से अधिक है।

60 प्रतिशत मरीज अभी भी दवाइयों के लिए भुगतान करने को मजबूर

दवा मूल्य नियामक एनपीपीए वर्तमान में 355 से अधिक दवाओं की कीमतों को सीमित करता है जो आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) का हिस्सा हैं और दवा मूल्य नियंत्रण आदेश के तहत अधिसूचित हैं। ऐसी अनुसूचित दवाओं पर व्यापार मार्जिन भी थोक विक्रेताओं के लिए 8 प्रतिशत और खुदरा विक्रेताओं के लिए 16 प्रतिशत पर विनियमित होता है। इन

दवाओं के सभी निर्माताओं को अपने उत्पाद को अधिकतम कीमत के बराबर या उससे कम पर बेचना होता है।

हालांकि, कंपनियां जो सरकार के प्रत्यक्ष मूल्य नियंत्रण से बाहर हैं अन्य सभी दवाओं के लिए कीमत तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। वे ऐसी दवाओं की कीमत केवल 10 प्रतिशत सालाना बढ़ा सकती हैं। अक्सर ऐसी दवाओं पर व्यापार मार्जिन अत्यधिक अधिक होता है और रोगियों को प्रभावित करता है।

वास्तविकता यह है कि 60 प्रतिशत से अधिक रोगी अभी भी दवाओं के लिए अपने दम पर भुगतान करने के लिए मजबूर हैं। फरवरी 2019 में एनपीपीए ने जनहित में डीपीसीओ के तहत असाधारण शक्तियों का उपयोग करते हुए पायलट आधार पर 41 कैंसर विरोधी दवाओं के व्यापार मार्जिन को 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया। इसके परिणामस्वरूप इन दवाओं के 526 ब्रांडों के एमआरपी में 90 प्रतिशत की कमी आई। इसके अलावा, सरकार ने कोरोनरी स्टेंट और घुटने के प्रत्यारोपण की कीमतें भी तय कीं।

LoC पर पाकिस्तानी सेना के लिए बंकर बना रहा है चीन, सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को किया अलर्ट

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ चीन हथकंडे अपनाने से बाज नहीं आ रही है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने सरकार को इस बात की जानकारी दी है कि एक चीनी निर्माण कंपनी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में अपना कार्यालय स्थापित किया है। साथ ही मुजफ्फराबाद और अथमुकम से सटे क्षेत्रों में हो रहे कार्यों को नियंत्रित कर रही है। एजेंसियों ने कहा कि चीनी कंपनी मई से पाकिस्तानी सेना के लिए बंकरों का नवीनीकरण और नए निर्माण कर रही है। चीनी कंपनियों ने पहले भी पीओके में निर्माण किया है, लेकिन यह पहली बार है जब एलओसी पर इस तरह की परियोजना शुरू की गई है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र पीओके की नीलम घाटी से सटे केल सेक्टर में पाकिस्तानी सेना 32 डिवीजन के अंतर्गत आता है।

बीजिंग ने पहले अपने जवानों और मशीनों को राजस्थान में बीकानेर के सामने पाकिस्तानी धरती पर भेजा था। यहां एक फॉरवर्ड एयरबेस को अपग्रेड किया गया था और 350 से अधिक स्टोन बंकरों और सीमा चौकियों का नवीनीकरण किया गया था।

आपको बता दें कि पाकिस्तान का करीबी सहयोगी चीन इससे पहले भी कई मौकों पर सुर में सुर मिला चुका है। भारत ने अगले साल जम्मू और कश्मीर में जी-20 नेताओं की बैठक आयोजित करने की योजना बनाई है। भारत के इस कदम को लेकर चीन ने पाकिस्तान के साथ मिलकर आपत्ति जताई थी। ड्रैगन ने अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान के स्वर में स्वर मिलाते हुए कहा कि संबंधित पक्षों को मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से बचना चाहिए।

अगर आप में हैं ये लक्षण तो तेज है आपकी बुद्धि, चेक करें कितने जीनियस हैं

जम्मू कश्मीर 2023 में जी-20 की बैठकों की मेजबानी करेगा। इस प्रभावशाली समूह में विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। जम्मू कश्मीर प्रशासन ने समग्र समन्वय के लिए पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति बनाई है। जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लिये जाने के बाद यहां प्रस्तावित यह पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय बैठक होगी। पाकिस्तान ने इसका विरोध किया है। पाक का कहना है, ''पाकिस्तान भारत के ऐसे किसी प्रयास को पूरी तरह खारिज करता है।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है। -- अमरीकी कहावत

संपादकीय

रुपये का गिरना

हालांकि, बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप व निर्यातकों द्वारा डॉलर की बिकवाली से गिरते रुपये की स्थिति में फौरी तौर पर सुधार आया है, लेकिन फिर भी गिरावट डॉलर के मुकाबले 80 के मनोवैज्ञानिक स्तर को छू चुकी है। निस्संदेह, यह गिरावट मंगलवार को सार्वकालिक निचले स्तर 80.06 पर रही थी। मगर बुधवार आते-आते डॉलर सूचकांक में कमजोरी, भारतीय शेयर बाजार में सुधार तथा निर्यातकों द्वारा डॉलर की बिकवाली से हालत सुधर पाये हैं। कह सकते हैं रुपये की गिरावट की असली वजह डॉलर की मजबूती है। वैसे तो रुपये की गिरावट निर्यात के लिये लाभदायक साबित हो सकती है, लेकिन भारत की चिंता यह है कि उसका आयात ज्यादा है और वो अधिक महंगा हो जायेगा। खासकर पेट्रोलियम पदार्थों का दो तिहाई से अधिक हिस्सा हम आयात करते हैं। दरअसल, कोरोना संकट से उबरती भारतीय अर्थव्यवस्था पर रूस-यूक्रेन युद्ध संकट से बाधित आपूर्ति श्रृंखला का खासा असर देखा गया है। वैसे पिछले एक साल में दुनिया की अन्य बड़ी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती में बारह फीसदी की वृद्धि हुई है। हालांकि, आसन्न संकट को भांपते हुए आरबीआई ने पिछले दिनों रेपो रेट में वृद्धि की थी ताकि विदेशी निवेशक ज्यादा ब्याज मिलने से अपना पैसा भारत से न निकालें। दरअसल, अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक अपनी ब्याज दर बढ़ाता रहा है, जिसके चलते विदेशी निवेशक भारत से डॉलर तेजी से निकालने लगे थे। अमेरिका में कोविड संकट के दौरान अधिक डॉलर छापे गये थे, जिसे वापस लाने के लिये अमेरिका में ब्याज की दर बढ़ाई जा रही है। जिसके चलते डॉलर वापस अमेरिका लौट रहा है। निस्संदेह, रुपये के मूल्य में गिरावट से हमारे आयात महंगे होंगे और देश के डॉलर भंडार में कमी आयेगी। वैसे ऐसा नहीं है कि डॉलर के मुकाबले केवल रुपया ही कमजोर हुआ है, दुनिया की सभी मुद्राएं डॉलर के मुकाबले कमजोर हो रही हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये की गिरावट अपने अंतिम चरण में है, आगे इसमें सुधार होगा। वैसे कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारत को इस गिरावट का लाभ अपना निर्यात बढ़ाकर उठाना चाहिए, जैसा विगत में चीन व बांग्लादेश ने अपनी मुद्राओं के अवमूल्यन करके निर्यात बढ़ाए थे। इससे उनके उत्पादन की दुनिया भर में खपत बढ़ी थी और अधिक विदेशी मुद्रा उन्हें हासिल हुई थी। लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि देश में तेजी से उद्योग धंधों के विकास को अपनी प्राथमिकता बनाकर निर्यात को बढ़ाएं। आर्थिक मामलों के जानकार रुपये की गिरावट को भारत के कुछ पड़ोसी देशों की बदहाली के कारक के रूप में नहीं देखते क्योंकि भारतीय घरेलू बाजार मजबूत है और अर्थव्यवस्था का आकार बड़ा है। वैसे माना जा रहा है कि विश्व आपूर्ति श्रृंखला में धनात्मक परिवर्तन, जिंसों के दाम में मजबूती व पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में सुधार के बाद डॉलर में गिरावट आएगी। कयास लगाये जा रहे हैं कि वर्ष की दूसरी छमाही में देश में विदेशी मुद्रा के आगमन में तेजी आयेगी। साथ ही केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से भी स्थिति में सुधार होगा। इस विश्वास की एक वजह यह भी है कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक स्थिति में है। वैसे एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि भले ही रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ हो, लेकिन दूसरी ओर अन्य मजबूत मुद्राओं यूरो, पाउंड व येन के मुकाबले रुपये मजबूत हुआ है। इसके बावजूद भारत संकट को नये अवसर में बदल सकता है। खासकर देश का आईटी उद्योग इसे अपने लिये अवसर में बदले, जिसकी अमेरिकी बाजार में आईटी उद्योग में बड़ी भूमिका है, डॉलर की मजबूती से उनकी आय में खासी वृद्धि होगी। वहीं देश के दवा उद्योग को रुपये में गिरावट से नुकसान उठाना पड़ सकता हैं क्योंकि उद्योग कच्चा माल विदेश से मंगवाता है। वहीं निर्यात करने वाली देश की दिग्गज ऑटो कंपनियां फायदे में रहेंगी।

आज के कार्टुन

ईश्वर की समीपता

श्रीराम शर्मा आचार्य

ईश्वर हमारे सबसे अधिक समीप है। संसार का कोई पदार्थ या व्यक्ति जितना समीप हो सकता है, उसकी अपेक्षा ईश्वर की निकटता और भी अधिक है। वह हमारी सांस के साथ प्रवेश करता है और समस्त अंग-अवयवों में प्राणवायु के रूप में जीवन का अनुदान प्रतिक्षण प्रदान करता है। यदि इसमें क्षणभर का भी व्यवधान उत्पन्न हो जाय तो मरण निश्चित है। संभावित सोलह हजार नाड़ियों के साथ वही कृष्ण रमण करता है। मांसपेशियों के आकुंचन-प्रकुंचन में गुदगुदी उसी के द्वारा उत्पन्न की जाती है। अन्तःकरण में उसी का गीता प्रवचन निरन्तर चलता है। ज्ञान-विज्ञान की विशालकाय पाठशाला उसी ने हमारे मस्तिष्क में चला रखी है। जीवकोषों के भीतर चलने वाली गतिविधियों का सूक्ष्म उपकरणों से निरीक्षण किया जाए, तो पता लगेगा कि समस्त ब्रह्माण्ड के विशाल परिकर में जो हलचलें हो रही हैं, वे सभी बीज रूप से इन नन्हीं सी कोशिकाओं में गतिशील हैं। 'जो ब्रह्माण्ड में, सो पिण्ड में' वाली उक्ति अब किंवदंती नहीं रही। अब उसकी पुष्टि एक सुनिश्चित सच्चाई के रूप में हो चुकी है। मनुष्य का व्यक्तित्व वस्तुतः विराट् ब्रह्मा का एक संक्षिप्त संस्करण है। पर वह मनुष्य का शरीर धारण करके अवतार लेता रहता है, यह सत्य है। इसी प्रकार यह भी एक स्वतःसिद्ध सच्चाई है कि मनुष्य अपने चरम विकास की स्थिति में पहुंचकर परमेश्वर बन सकता है। मानवी संरचना कुछ है ही ऐसी अद्भुत की उसमें ईश्वर की समग्र सत्ता की अनुभूति कर सकना सर्वथा सम्भव है। इतना सब होते हुए भी हम ईश्वर से अरबों-खरबों मील दूर हैं। उसकी समीपता की अनुभूति के साथ-साथ जिस परम सन्तोष और परम आनन्द का अनुभव होना चाहिए, वह कभी हुआ ही नहीं। ईश्वर की समीपता को जीवन मुक्ति भी कहते हैं। उस स्थिति को सालोक्य, सामीप्य, सारूप्य, सयुज्य, इन चार रूपों में वर्णन किया गया है। ईश्वर के लोक में रहना, उसके समीप रहना, उस जैसा रूप होना, उसमें समाविष्ट हो जाना, यह चारों ही अवस्थाएं उस स्थिति की ओर संकेत करती हैं, जिसमें मनुष्य की भीतरी चेतना और बाहरी क्रिया उतनी उत्कृष्ट बन जाती है जितनी कि ईश्वर की होती है। अपनी चेतना सत्ता को ईश्वरीय चेतना में घुला देने में किसे कितनी सफलता मिली, इसका परिचय उसके चिन्तन और कर्तृत्व का स्तर परख कर सहज ही प्राप्त किया जा सकता है।

चीन के 24 प्रांतों में जनता का विद्रोह

(लेखक- सनत कुमार जैन)

आर्थिक मंदी, महंगाई, बैंकों के खिलाफ जनता सड़कों पर चीन में सरकार के खिलाफ 24 प्रांतों में विद्रोह शुरू हो गया है। महंगाई, मंदी और बेरोजगारी के कारण कई प्रांतों में हिंसक प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। आम जनता की पुलिस से झड़पें होने लगी है। बैंकों के सामने जमा पैसा लेने के लिए लंबी लंबी लाइनें लग गई है। बैंकों के सामने सरकार को टैंकों को खडा करके विद्रोह को दबाने का काम करना पड़ रहा है। आर्थिक गड़बड़ियों के कारण 4000 बैंक दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए हैं। बैंकों में जमा चार लाख से ज्यादा खाताधारकों के हजारों करोड़ रुपए वापस नहीं मिल रहे हैं। निम्न और मध्यम वर्ग के नागरिक आर्थिक संकट के चलते सड़कों पर सरकार का विरोध करने उतर गए हैं। कई स्थानों में हिंसक प्रदर्शन भी हुए। कोविड-19 संकट के बाद चीन के लगभग 31 लाख उद्योग और कारोबार बंद हो चुके हैं। एक करोड़ से ज्यादा छात्र स्नातक की परीक्षा पास करके बेरोजगार घूम रहे हैं। लाखों की संख्या में उद्योग और कारोबार बंद होने से करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए हैं। महंगाई बेरोजगारी और आर्थिक संकट के कारण लोगों को अपनी नियमित जरूरतें पूरी कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण विद्रोह अब सड़कों पर आकर हिंसक प्रदर्शन करने पर उतारू हो गया है।

बैंक ओर प्रॉपर्टी की लोन किस्तें जमा करना मुश्किल

भारत की तरह चीन में भी मध्यमवर्ग प्रॉपर्टी में निवेश करना सुरक्षित मानता था। प्रॉपर्टी के प्रोजेक्ट में करोड़ों लोगों ने निवेश किया था। प्रॉपर्टी के लिए लोन लिया था, समय पर कब्जा नहीं मिलने के कारण लोगों को ब्याज भी भरना पड़ रहा है, और किराया भी देना पड़ रहा है। बिल्डरों ने जमा पैसा निकालकर दूसरे प्रोजेक्टों में लगा दिया। इससे लोग आर्थिक संकट में फंस गए हैं। प्रॉपर्टी सेक्टर में मंदी आ जाने से अन्य सेक्टर भी प्रभावित हुए हैं।

लॉकडाउन से फैली आर्थिक मंदी

जीरो कोविड-19 की पॉलिसी और लंबे समय तक लॉकडाउन के कारण चीन की आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो गई है। चीन को आंतरिक और बाह्य मोर्चे पर जिन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उसके कारण आर्थिक स्थिति को संभाल पाना सरकार के लिए संभव नहीं हो पा रहा है। चीन के नागरिक भी श्रीलंका की तरह रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। जिसके कारण नाराज होकर लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। चीन के लिए अर्थ-व्यवस्था को बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है।

जिनपिंग के लिए बड़ी चुनौती

नवंबर माह में कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में वर्तमान राष्ट्रपति जिनपिंग तीसरी बार अपनी दावेदारी पेश करेंगे। मिडिल और निम्न वर्ग का विद्रोह उनकी सत्ता के लिए सबसे बड़ा चुनौती बन गया है। उल्लेखनीय है, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के लगभग 10 करोड़ सदस्य प्रत्यक्ष रूप से मतदान करते हैं। आम जनता के बीच वर्तमान राष्ट्रपति और सरकार को लेकर जो विद्रोह सड़कों पर जनमानस का आया है। बैंकों के लगभग दिवालिया हो जाने और सरकारी इमदाद नहीं मिलने से महंगाई और बेरोजगारी से परेशान युवा सड़कों पर उतरकर सरकार का विरोध कर रहे हैं। निश्चित रूप से इसका असर नवंबर माह में जिनपिंग की उम्मीदवारी पर पड़ने से कम्युनिस्ट पार्टी में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ गई है।

कर्ज के बोझ से जनता परेशान

पिछले वर्षों में चीन के नागरिकों पर कर्ज को बोझ बढ़ा है। इसी बीच लाखों की संख्या में उद्योग धंधे बंद होने के कारण बेरोजगारी बढ़ गई है। आम आदमी को अपना घर चलाना मुश्किल हो गया है। परिवार के सदस्यों की जरूरतें पूरी नहीं होने के कारण, अब लोग आर पार की लड़ाई लड़ने सड़कों पर उतर रहे हैं। चीन में पहली बार इस अनोखे विरोध और हिंसक प्रदर्शन ने सरकार की मुसीबतें बढ़ा दी है। चीन की यह हालत सारी दुनिया के देशों के लिए एक सबक भी है। आर्थिक मंदी, महंगाई और बेरोजगारी से जनता को राहत नहीं मिली, तो अधिकांश देशों में जनता बेहाल होकर सड़कों पर उतर रही है। चीन जैसे कम्युनिस्ट देश में ऐसी हालत, पूंजीवादी देशों के लिए सबसे बड़ी चिंता का कारण बन गई है।

भारत की स्थिति भी चिंताजनक

यूरोप के कई देशों में आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। 2008 में अमेरिका की आर्थिक मंदी से ज्यादा खराब हालात दुनिया के अधिकांश देशों में बन गए है। 2008 में लेहमेन ब्रदर्स की आर्थिक गड़बड़ियों से अमेरिका के सैकड़ों बैंक, कम्पनियां, नगरीय संस्थान दिवालिया हो गए थे। 2008 की तुलना में 2022 में आर्थिक मंदी एवं कर्ज के बोझ से सारे दुनिया के देश प्रभावित हुए है। चीन, श्रीलंका, नेपाल, भारत सहित लगभग 50 देशों में आर्थिक संकट गहरा गया है। पूंजीवाद और साम्यवाद जैसे हालात 100 साल के बाद एक बार फिर देखने को मिलने लगे है। भारत भी इससे आछूता नहीं है। विदेशी मुद्रा एवं स्वर्ण भंडार लगातार कम हो रहा है। 15 जुलाई को समाप्त हुए सप्ताह में 7.54 अरब डॉलर का मुद्रा भंडार कम होकर 511.6 अरब डॉलर हो गया है। इसी तरह स्वर्ण भंडार भी 83 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 38.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। बैंकों से लोन ज्यादा दिया जा रहा है।

बैंकों में पैसा कम जमा हो रहा है। बैंकों का एनपीए लगातार बढ़ रहा है। भारत के बैंकों की हालात भी अच्छी नहीं है। सरकार ने पिछले वर्षों में विलय और सरकारी मदद देकर बैंकों की बैलेन्स शीट सुधारने का काम किया। किन्तु यह सारे प्रयास दलदल में पानी डालकर दलदल बढ़ाने जैसा साबित हो रहे हैं। भारत को भी चुनावी मोड से निकलकर अर्थ-व्यवस्था को पटरी में लाने, टैक्सों को हटाने, बेरोजगारी कम करने, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने तथा आम आदमी को उनकी जरूरत की चीजें निरंतर मिलती रहे। इसका प्रयास करना होगा। अन्यथा भारत की स्थिति चीन और श्रीलंका जैसे देशों से ज्यादा खराब हो सकती है।

मोदी-शाह के चक्रव्यूह की तोड़ अभेद्य

(लेखक-सनत कुमार जैन)

भारत के राष्ट्रपति चुनाव के कई माह पूर्व जिस चक्रव्यूह की रचना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने की थी। इस चक्रव्यूह का तोड़ सम्पूर्ण विपक्ष और सत्ता पक्ष के नाराज सभासद भी नहीं खोज पाए। वर्तमान परिपेक्ष्य में राजनीति में सफलता के जो कीर्तिमान मोदी-शाह की जोड़ी ने बनाये हैं। पूर्व में ऐसा कोई इतिहास नहीं है, और भविष्य में भी विजय का यह कीर्तिमान बनाने और यश कमाने में शायद ही कोई शासक सफल होगा। मंहगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच बढ़ता टकराव सत्ता के केन्द्रीयकरण से सत्तापक्ष का मौन एवं नाराजी स्पष्ट रुप से देखने को मिल रही है। उसके बाद भी पिछले 8 वर्षों में सत्ता की पकड़ को मजबूत बनाने के लिए मोदी-शाह की जोड़ी का प्रत्येक निर्णय, उनके विरोधियों को हर बार धूल चटाने का काम करती है। विपक्ष का हर हमला कैसा होगा, इसकी रणनीति भी मोदी और शाह की जोड़ी ही तय करती है। मैदान की सुनियोजित लड़ाई में विरोधियों को चारो खाने चित्तकर, आश्चर्यजनक रुप से उन पर जीत हासिल करना मोदी-शाह की जोड़ी के लिए ही संभव है। - राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपने अनुकूल व्यक्ति को, बिना किसी विवाद एवं बाधा के चुनाव जिताना, इनकी रणनीति कई माह पूर्व बना लेना। इस रणनीति की हवा सत्ता पक्ष एवं विपक्ष को नहीं लगने देना। चुनाव के पूर्व विपक्षियों की घेराबंदी करके चुनाव में बंधक बना देना, उसके बाद उन्हें जीवनदान देकर अपने पक्ष में लाकर उनका मनचाहा उपयोग राष्ट्रपति पद के चुनाव में मोदी-शाह की जोड़ी ने करके अपनी शक्ति का एहसास करा दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बैनर्जी को राज्यपाल धनखड़ और ईडी के जाल में ऐसे फंसाया कि ममता बैनर्जी जाल से निकलने के लिए उन्हीं धनखड़ की शरण में पंहुच गई। राष्ट्रपति पद के लिए अपने ही प्रत्याशी यशवंत सिन्हा को मझदार में छोड़कर ममता बैनर्जी को राष्ट्रपति चुनाव में द्रोपदी मुर्मू के पक्ष में समर्थन के लिए विवश होना पड़ा। यह कमाल मोदी-शाह की जोड़ी का है। जिन्होंने उड़ती चिड़िया को अपने जाल में फंसाकर फड़फड़ाने के लिए कैद कर लिया है। झारखंड में भी मोदी-शाह की जोड़ी ने कमाल करके दिखा दिया। ईडी के छापे और माइनिंग के जाल में झारखंड के मुख्यमंत्री .....को ऐसा उलझाया कि वह भी राष्ट्रपति के चुनाव में अपना गठबंधन धर्म भूलकर जोड़-तोड़ और समझौते के धर्म में शामिल होकर मुर्मू के पक्ष में नतमस्तक हो गए। झारखंड से यशवंत सिन्हा को समर्थन नहीं मिलना सभी को आश्चर्य में डाल रहा है। महाराष्ट्र के चक्रव्यूह में उद्धव ठाकरे को फंसाकर मोदी-शाह की जोड़ी ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बगावत कराकर ठाकरे को मुख्यमंत्री से हटा दिया। उसके बाद जीवित रखने की शर्त पर ठाकरे से आत्मसमपर्ण कराकर शिवसेना के सांसदों और विधायकों के एकमुस्त वोट राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव में हासिल कर अपने गुमनाम उम्मीदवार को जिताकर सारी दुनिया में जीत का डंका बजा दिया। मोदी-शाह की जोड़ी महीनों पहिले से जाल बुनना शुरु कर देती है। जाल में जिन्हें फंसाना है। उसके लिए दाने भी मोदी-शाह की टीम डालती है। जब जाल में उनके शिकार फंसना शुरु होते है। समय आने पर एक ही झटके में शिकार को जाल में फंसाकर काबू करना मोदी-शाह की राजनीति का हिस्सा होता है। उड़ीसा की आदिवासी महिला के राष्ट्रपति के नाम पर सारे देश में आदिवासी कार्ड उस समय खेला, जब सारा देश हिन्दू-मुस्लिम ध्रुवीकरण में उलझा हुआ था। आदिवासी के नाम पर उड़ीसा के सारे वोट जो किसी भी राजनैतिक दल के हों। एक ही झटके में द्रोपदी मुर्मू के पक्ष में गिरे। वहीं एक दर्जन से अधिक राज्यों के आदिवासी वर्ग में द्रोपदी मुर्मू के पक्ष में समर्थन हासिल कर विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष को भी मोदी-शाह की जोड़ी ने आश्चर्य चकित कर पार्टी के अंदर की भी सारी चुनौतियों को एक ही झटके में समाप्त कर दिया।

मोदी-शाह का भय

मोदी-शाह की जोड़ी कब क्या करेगी। इसका एहसास बड़े-बड़े शीर्ष भाजपा के नेताओं को भी नहीं हो पाता है। संघ से भी जानकारी देने में गोपनीयता बरती जाती है। समय आने पर मोदी-शाह का निर्णय सभी के लिए विष्फोट की तरह होता है। जब तक कोई समझे और प्रतिक्रिया व्यक्त करे। उसके पहिले लड़ाई जीतना, मोदी-शाह की जोड़ी की रणनीति का हिस्सा होती है। पिछले आठ वर्षों में मोदी-शाह की जोड़ी ने सत्ता एवं संगठन में जो वर्चस्व बनाया है। उससे भाजपा के वरिष्ठ नेता और संघ के पदाधिकारी असहमत होते हुए, भी इस जोड़ी के सामने असहाय होते है। यशवंत सिंहा को भाजपा के अंदर से बड़ी सहानुभूति मिल रही थी। ऐसा माना जा रहा था, कि राष्ट्रपति पद के लिए यशवंत सिन्हा के पक्ष में भाजपा के अंदर से क्रांस वोटिंग हो सकती है। मोदी-शाह की जोड़ी ने सत्ता में स्वयं का वर्चस्व बनाए रखने के लिए, हर पहलू पर कई माह पूर्व सोच-समझकर रणनीति तैयार करती है। नेतृत्व के प्रति सत्तापक्ष की नाराजी को दबाने के लिए पश्चिम बंगाल, झारखण्ड, महाराष्ट्र, इत्यादि का विपक्षी गढ़ ढ़हाकर नेतृत्व के प्रति पार्टी की नाराजी को दबाने में मोदी-शाह की जोड़ी सफल रही। मोदी-शाह ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में जिस चक्रव्यूह की रचना की थी। उसमें राष्ट्रपति पद पर द्रोपदी मुर्मू की जीत से ज्यादा बड़ी सफलता, उपराष्ट्रपति पद पर जगदीप धनखड़ को प्रत्याशी बनाना और ममता बैनर्जी जैसी धुरंधर, लड़ाकू महिला को उपराष्ट्रपति के चुनाव में मतदान नहीं करने के लिए मना लेना, जगदीप धनखड़ को जिताने में ममता बैनर्जी का समर्पण कराना मोदी-शाह की सबसे बड़ी जीत है। पिछले वर्षों में चुनौतियों का सामना करते हुए जिस तरह से मोदी-शाह की जोड़ी ने विपक्ष और विपक्षी दलों के बीच सत्ता संघर्ष कराकर खण्ड-खण्ड में बांटकर रखा है। इससे विपक्षी दलों का एकजुट हो जाना संभव नहीं है। भारत के विपक्षी दलों को कमजोर करने के लिए फूट डालने एवं प्रलोभन से विपक्षियों को भयभीत कर रखा है। वह वर्चस्व बचाने के लिए स्वयं, ग्रास बनने के लिए मोदी-शाह के पास जाने विवश हो जाते है। जब तक उनकी जरुरत होती है। उनका उपयोग होता है। उसके बाद उनकी हालत मायावती जैसी हो जाती है। इसके भी दर्जनों उदाहरण सामने है। हर विपक्षी दल अपनी ही आंतरिक लड़ाई में उलझकर अपने आपको बचाये रखने के लिए मोदी की शरण में जाकर आत्मसमर्पण कर रहा है। मोदी-शाह के चक्रव्यूह से बाहर निकलना अब किसी के लिए संभव नहीं है। इस समय मोदी अजेय है। हर ग्रह उनके इशारे पर कदम-ताल कर रहा है।

सू-दोकू नवताल -2173

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

सू-दोकू -2172 का हल

8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2173

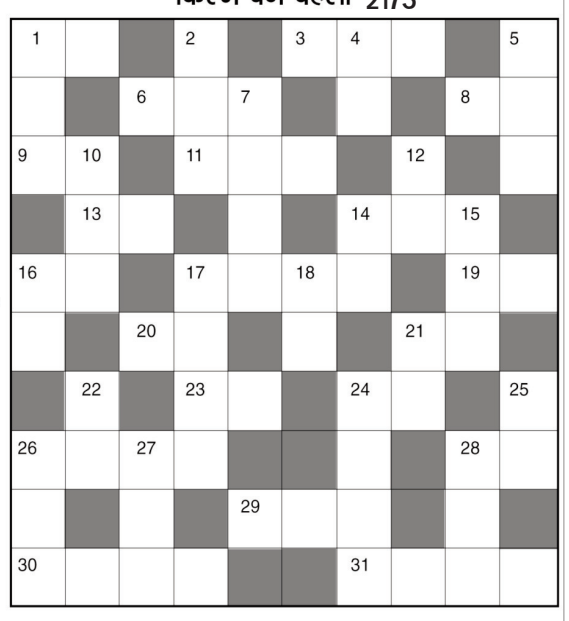

बायें से दायें:-

1. 'चोरी चोरी छोरा छोरी' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-3
6. अनिल, माधुरी की 'कह दो कि तुम' गीत वाली फिल्म-3
8. 'मेरा कंगना झांझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-2
9. फिल्म 'काजल' के संगीत निर्देशक-2
11. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-3
13. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'मेरे दिल में आज क्या है' गीत वाली फिल्म-2
14. राहुल राय, दीपक तिजोरी, पूजाभट्ट की फिल्म-3
16. सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
17. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली फिल्म-4
19. अमिताभ बच्चन, अमृता सिंह की 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली फिल्म-2
20. राजेश खन्ना, शबाना, विद्या सिन्हा अभिनीत फिल्म-2
21. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
23. फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र का नाम-2
24. विकास भल्ला, सुमित सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली फिल्म-2
26. गुरुदत्त,शकीला,श्यामा की फिल्म-2,2
28. 'रुकी-रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
29. 'तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है' गीत वाली सुनील दत्त, आशा पारेख की फिल्म-3
30. शाहरुख खान, विवेक मुशरान, जूही चावला की 'चोरी चोरी ओ गोरी' गीत वाली फिल्म-4
31. आमिर खान की फिल्म 'रंग दे बसंती' के संगीत निर्देशक कौन-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'भीगे होंठ तेरे' गीत वाली फिल्म-3
2. 'देख लो आज उनको' गीत वाली फारुख शेख, नसीरुद्दीन, स्मिता पाटिल की फिल्म-3
4. जया भादुड़ी की पहली फिल्म-2
5. फिल्म 'एक फूल दो माली' में संजय खान के साथ नायिका-3
7. संजीव कुमार, तनूजा की 'आया रे खिलौने वाला' गीत वाली फिल्म-4
10. 'मेरा ससुरा बड़ा पैसे वाला' गीत वाली जीतेंद्र, लीना चंदावरकर की फिल्म-3
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
14. 'मेरे सीनेमें तेरा दिल धड़के' गीतवाली फिल्म-2
15. 'छुपा लो यूं दिल में प्यार मेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
16. गोविंदा, जूही चावला की 'चांदी की साईकल सोने की सीट' गीत वाली फिल्म-2
17. 'सात अजूबे इस दुनिया में' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा, जीनत अमान की फिल्म-4
18. फिल्म 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का नाम क्या था ?-2
21. अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की 'पर्दे में कोई बैठा है ' गीत वाली फिल्म-2
22. 'मैं नए जमाने की लैला' गीत वाली अजय देवगन, रवीना टंडन की फिल्म-2
24. 'इमली का बूटा इमली का पेड़' गीत वाली फिल्म-4
25. 'आते हैं लोग जाते हैं लोग' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-2
26. राज कपूर, नर्गिस की 'आ जाओ तड़पते हैं अरमां' गीत वाली फिल्म-3
27. 'यूं ही कोई मिल गया था' गीत वाली राजकुमार, मीना कुमारी की फिल्म-3
28. फिल्म 'ये तेरा घर ये मेरा घर' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-3

फिल्म वर्ग पहेली- 2172

इ	ज्ज	त		सं	जो	ग		हे	मा
श्क		रा	रा	जी		ब	से	श	
	हि	ना		व	च	न		म	धु
	म्म		श	नी			ला		आं
इं	त	का	म		दि	ल	वा	ले	
सा			श	मी	ली			कि	ला
फ		श	स्त्र		प	ह	चा	न	
	आ	ह		स		म			स
शू		ना	गि	न		श	जा	जा	नी
ल	ड़ा	ई		म	नो	ज		ल	

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तंबाकू उत्पादों पर अब और भी कड़ी चेतावनी फोटो सहित लिखी जाएगी

नए निर्देश जारी, सिगरेट के पैकेट पर लिखना होगा 'तंबाकू सेवन यानी अकाल मृत्यु'

नई दिल्ली । सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों की पैकेजिंग को लेकर केंद्र सरकार ने नए निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार तंबाकू उत्पादों पर अब और भी कड़ी चेतावनी फोटो सहित लिखी जाएगी। अब सिगरेट के पैकेटों पर बड़े अक्षरों में तंबाकू सेवन यानी अकाल मृत्यु लिखना अनिवार्य होगा। नए नियम 1 दिसंबर, 2022 से लागू होंगे। एक खबर के मुताबिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से संशोधित नियम 21 जुलाई को जारी किए गए हैं। पैकेट के पिछले हिस्से में काली पृष्ठभूमि पर सफेद अक्षरों में आज ही छोड़ें, कॉल करें 1800-11-2356 लिखा होगा। गौरतलब है कि किसी भी तरह का तंबाकू या उससे युक्त पदार्थ किसी नाबालिग को बेचना बाल न्याय अधिनियम 2015 की धारा 77 का उल्लंघन है। इस कानून के तहत आरोपित को 7 साल तक की कैद और एक लाख रुप, तक का जुर्माना लगाने का भी प्रावधान है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के आंकड़ों के मुताबिक हर साल दुनिया भर में लगभग 80 लाख लोग तंबाकू के सेवन से होने वाले रोगों की वजह से मौत हो जाती है। तंबाकू का इस्तेमाल रोकने के लिए हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस दिन तंबाकू के खतरे के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है।

केंद्र सहकारी समिति अधिनियम में संशोधन के मसौदे पर पुनर्विचार करेः एनसीयूआई

नयी दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय सहकारिता संघ (एनसीयूआई) ने मांग की है कि केंद्र को बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम 2002 में प्रस्तावित संशोधनों पर फिर से विचार करना चाहिए क्योंकि इसके कुछ प्रावधान लोकतांत्रिक और सहकारी समितियों के स्वायत्त सिद्धांतों के खिलाफ हैं। सहकारिता मंत्रालय ने इस अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव रखा है ताकि इसे 97वें संवैधानिक संशोधन के अनुरूप बनाया जा सके और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बहु-राज्य सहकारी समितियों के योगदान को बढ़ाने के उद्देश्य से सुधार किए जा सकें। मंत्रालय ने बहु-राज्य सहकारी समितियों में चुनाव, शासन, भर्ती, पारदर्शिता और दक्षता से संबंधित मसौदा संशोधनों पर विभिन्न अंशधारकों से राय मांगी हैं।इस मसौदे पर अपने सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद एनसीयूआई ने मंत्रालय को दिए गए सुझाव में कहा है कि सरकार को संशोधन के मसौदे के कुछ प्रतिबंधात्मक प्रावधानों पर फिर से विचार करना चाहिए ताकि सहकारी समितियों के लोकतांत्रिक विकास में बाधा न आए। इसके मुताबिक, विभिन्न सहकारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों ने मसौदा संशोधनों के कुछ प्रावधानों को सहकारी सिद्धांतों के साथ तालमेल नहीं बैठने वाला पाया है। इसमें कहा गया है कि मसौदा संशोधन सहकारी समितियों के लोकतांत्रिक और स्वायत्त सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है।

उत्तम गेल्वा स्टील्स का घाटा कम होकर 50.65 करोड़ रहा

नई दिल्ली । दिवाला प्रक्रिया से जूझ रही उत्तम गेल्वा स्टील्स का अप्रैल-जून तिमाही में घाटा कम होकर 50.65 करोड़ रुपये रह गया। आमदनी बढ़ने की वजह से उसके घाटे में कमी आई है। कोल्ड-रोल्ड स्टील एवं गेल्वेनाइज्ड स्टील की प्रमुख उत्पादक कंपनी को 2021-22 की समान तिमाही में 79.18 करोड़ का घाटा हुआ था। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की कुल आय बढ़कर 242.18 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले समान अवधि में 198.80 करोड़ रुपये थी। पिछले वर्ष अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का खर्च 272.66 करोड़ रुपये था जो चालू वित्त वर्ष की समान तिमाही में बढ़कर 301.93 करोड़ रुपये हो गया।

पेट्रोल और डीजल की कीमत अप्रैल के बाद से स्थिर, सस्ता होने का इंतजार

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल के सस्ता होने की आस लगाए लोगों को साढ़े तीन महीने से ज्यादा निकल चुके हैं। आखिरी बार पेट्रोल-डीजल की कीमत में 6 अप्रैल को बदलाव हुआ था। उसके बाद पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर है। हालांकि वै श्विक बाजार में क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतों पर एक बार फिर लगाम लग गई है। रविवार को क्रूड ऑयल 103 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रहा है। क्रूड में पिछले 24 घंटों में गिरावट देखी जा रही है लेकिन इसकी कीमत एक हफ्ते से इसी के आसपास घूम रही है। इसी बीच सरकारी तेल कंपनियों ने रे विवार को पेट्रोल-डीजल के खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं ` किया है। दिल्ले ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है। इन शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम दिल्ली पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

टेक महिंद्रा का महिंद्रा यूनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापन

नई दिल्ली । टेक महिंद्रा और महिंद्रा यूनिवर्सिटी ने क्वांटम कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मेटावर्स के क्षेत्र में शोध एवं विकास के लिए एक नई मेकर्स लैब बनाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सक्रिय टेक महिंद्रा के दुनिया भर में पहले से ही 10 मेकर्स लैब हैं। हैदराबाद स्थित महिंद्रा यूनिवर्सिटी में बनने वाली नई प्रयोगशाला उसकी 11वीं मेकर्स लैब होगी। टेक महिंद्रा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीपी गुरनानी ने कहा कि उद्योग इस समय क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा सेंटर एवं 5जी तकनीक के आने से बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह से डेटा विस्फोट जैसी स्थिति पैदा हो रही है जिसमें मेकर्स लैब की जरूरत बढ़ जाती है। महिंद्रा यूनिवर्सिटी के कुलपति याजुलू मेडूरी ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन के जरिये उद्योग एवं अकादमिक जगत के बीच तालमेल बिठाने की कोशिश की गई है। इससे यूनिवर्सिटी के शिक्षक एवं छात्र उद्योग की जरूरतों के अनुरूप नए समाधान तैयार करने में मदद देंगे। इस मौके पर टेक महिंद्रा की मेकर्स लैब इकाई के वैश्विक प्रमुख निखिल मल्होत्रा ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग में इस समय काफी तीव्र गतिविधियां चल रही हैं और इस साझेदारी से क्वांटन प्रौद्योगिकी की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

अमेरिकी परमाणु बम को इस्तेमाल के लिए भेजे जाने वाले संदेशों को प्रभावित कर सकते हैं हुआवेई के संचार उपकरण

-अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई ने जारी की चेतावनी

वॉशिंगटन । अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआई ने चेतावनी दी है कि चीन में बने हुआवेई के संचार उपकरण अमेरिका के परमाणु बम के इस्तेमाल के लिए भेजे जाने वाले संदेश को प्रभावित कर सकते हैं। एफबीआई को पूरा भरोसा है कि ये जासूसी उपकरण रक्षा मंत्रालय के अत्यंत प्रतिबंधित गोपनीय संदेशों को पकड़ सकते हैं और उन्हें प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा इसमें परमाणु बम की देखरेख करने वाले अमेरिका के सामरिक कमांड के संदेश भी शामिल हैं। इस खुलासे से दुनियाभर की टेंशन बढ़ गई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने चेतावनी दी कि अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों के करीब हुआवेई के उपकरणों को सभी जानते हैं और यह व्यापक चिंता का विषय है। एफबीआई का कहना है कि पिछले एक दशक में अमेरिकी धरती पर चीनी जासूसी के मामलों में नाटकीय ढंग से वृद्धि हुई है। कम से कम 2017 के बाद से संघीय अधिकारियों ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के पास चीनी भूमि खरीद की जांच की है, एक हाई-प्रोफाइल क्षेत्रीय वाणिज्य दूतावास को बंद कर दिया है, जिसे अमेरिकी सरकार ने चीनी जासूसों और पत्थर की दीवारों का केंद्र माना है, जिसे उन्होंने सुनने वाले उपकरणों को लगाने के स्पष्ट प्रयासों के रूप में देखा था। एफबीआई ने जिन चौंकाने वाली चीजों का खुलासा किया है, उनमें ग्रामीण मिडवेस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों के पास सेल टावरों के ऊपर चीन निर्मित हुआवेई के उपकरण शामिल हैं। एफबीआई ने निर्धारित किया कि उपकरण अत्यधिक प्रतिबंधित रक्षा विभाग के संचार को पकड़ने और बाधित करने में सक्षम थे, जिसमें यूएस स्ट्रेटेजिक कमांड द्वारा उपयोग किए जाने वाले लोग भी शामिल थे, जो देश के परमाणु हथियारों की देखरेख करते हैं।

(शेयर बाजार समीक्षा) फेडरल रिजर्व के निर्णय और कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे बाजार की चाल

- रुपए का उतार-चढ़ाव तथा कच्चे तेल के दाम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर निर्णय, मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान तथा कई बड़ी कंपनियों के तिमाही पे रिणाम की वजह से घरेलू शेयर बाजारों के लिए यह सप्ताह उतार-चढ़ाव वाला रहेगा। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के निवेश का रुख, रुपए का उतार-चढ़ाव तथा कच्चे तेल के दाम भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगे। बाजार ` के जानकारों ने कहा ` कि यह सप्ताह काफी घटनाक्रमों भरा रहने वाला है। ऐसे में हमें उतार-चढ़ाव बढ़ने के आसार नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा निफ्टी-50 की कई कंपनियां इस सप्ताह तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। गुरुवार को जुलाई माह के वायदा एवं विकल्प अनुबंधों का निपटान है। ऐसे में कुल मिलाकर बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। वैश्विक मोर्चे पर संघीय मुक्त बाजार समिति (एफओएमसी) की बैठक के नतीजे 27 जुलाई को आएंगे। यह बाजार की दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगा। उन्होंने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का रुख क्या रहता है, क्योंकि काफी अरसे बात बीते सप्ताह वे शुद्ध लिवाल रहे हैं। बाजार के जानकारों का कहना है ` कि यह सप्ताह काफी गतिविधियों वाला रहेगा। सप्ताह के दौरान कई महत्वपूर्ण आंकड़े आने हैं। सबसे पहले बाजार भागीदार रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक बैंक के तिमाही नतीजों पर प्रतिक्रिया देंगे। वैश्विक मोर्चे पर फेडरल रिजर्व 27 जुलाई को ब्याज दरों पर रिर्णय की घोषणा करेगा। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े 28 जुलाई को आएंगे। इस सप्ताह एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, बजाज ऑटो, लार्सन एंड टुब्रो, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं। इसके अलावा अमेरिका के दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़ों की भी घोषणा होनी है! सप्ताह के दौरान का बड़ा घटनाक्रम एफओएमसी की बैठक के नतीजे और अमेरिका के जीडीपी के आंकड़े रहेंगे। इन आंकड़ों का भारतीय बाजारों की धारणा पर भी असर पड़ेगा।

पीएनबी ने फिर एफडी ब्याज दरों में किया इजाफा

नई दिल्ली ।

बैंकों की शीर्ष नियामक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से रेपो रेट में इजाफा करने के बाद बैंकों ने भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी शुरू कर दी है। लोन पर ब्याज दर बढ़ने के अलावा बैंक जमा पर भी ब्याज दरों में इजाफा होने लगा है। इसके बाद निवेशकों के लिए फिक्े स्े ड डिपॉजिट थोड़ा और आकर्षक हो गया है। इसी कड़ी में सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी पर मिलने वाले ब्याज की दरों में बढ़ोतरी की है। पीएनबी ने इससे पहले भी अपनी एफडी दरों में इजाफा किया था। पीएनबी ने 2 करोड़ रुपये से कम की एफडी योजना पर ब्याज में इजाफा करने का ऐलान किया है। ब्याज की नई दरें 20 जुलाई, 2022 से प्रभावी हो गई हैं। पंजाब नेशनल बैंक बैंक ने 7 से 45 दिनों में मैच्योर होने वाली एफडी पर अपनी ब्याज दरों को 3 फीसदी पर स्थिर रखा है। अब बैंक 46 से 90 दिनों में मैच्योर होने वाली एफडी पर 3.25 फीसदी का ब्याज देगा। 91 और 179 दिनों के बीच मैच्योर वाले एफडी पर 4 फीसदी का ब्याज, जबकि 180 दिनों और एक साल से कम की मैच्योरिटी पर 4.50 फीसदी की दर से ब्याज देगा। एक साल में मैच्योर होने वाली फिक्स्ड डिपॉजिट पर बैंक 5.30 फीसदी की ब्याज दर देना जारी रखेगा।

एक साल से ऊपर और 1 साल तक मैच्योर होने वाली एफडी पर बैंक ने ब्याज दर 15 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.45 फीसदी कर दी है। बैंक 2 साल से ज्यादा और 3 साल तक मैच्योर होने वाली जमाओं पर 5.50 फीसदी की ब्याज दर देना जारी रखेगा। पीएनबी ने 3 साल से ज्यादा और 5 साल तक मैच्योर होने वाली जमाओं पर ब्याज दर 0.25 फीसदी बढ़ाकर 5.75 फीसदी कर दी है। 5 साल से ज्यादा और 10 साल तक मैच्योर होने वाली एफडी पर ब्याज दर 5.60 फीसदी रहेगी। बैंक ने 1111 दिनों में मैच्योर होने वाली एफडी पर ब्याज दर 0.25 फीसदी से बढ़ाकर 5.75 फीसदी कर दी है। गौरतलब है कि हाल ही में एसबीआई, एक्सिस बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक, आईडीबीआई बैंक आदि भी अपनी-अपनी एफडी दरों को बढ़ा चुके हैं। दरों में बढ़ोतरी का ये सिलसिला आरबीआई के द्वारा रेपो रेट्स में बढ़ोतरी के बाद शुरू हुआ है। रिजर्व बैंक ने मई और जून में लगातार दो महीने प्रमुख दरों में 0.9 की बढ़ोतरी की थी।

टीटागढ़ वैगंस की अनुषंगी फिरेमा में इटली सरकार निवेश करेगी

कोलकाता.

इटली सरकार टीटागढ़ वैगंस की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी फिरेमा एसपीए में लगभग 20 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण कर सकती है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इटली सरकार की निवेश संवर्द्धन एजेंसी इनविटेलिया द्वारा फिरेमा में 20 से 30 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रण किया जाएगा। टीटागढ़ वैगंस इटली सरकार से पूंजीगत समर्थन के लिए बातचीत कर रही है। महामारी के दौरान कंपनी को वित्तीय संकट से जूझना पड़ा है। फिरेमा यूरोप में रेलवे परियोजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। साथ ही यह पुणे, मेट्रो के लिए देश का पहला एल्युमीनियम कोच भी बना रही है। टीटागढ़ वैगंस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह एक बड़ी उपलब्धि है कि इटली की सरकार फिरेमा में हिस्सेदारी खरीदने जा रही है। इसके अलावा एक निजी इक्विटी निवेशक भी फिरेमा में हिस्सेदारी लेने जा रहा है। प्रवर्तक भी कंपनी में नई पूंजी डालेंगे। हालांकि अभी हम इसका पूरा ब्योरा नहीं दे सकते। इटली की रेल कंपनी फिरेमा का कोलकाता के टीटागढ़ समूह ने 2015 में अधिग्रहण किया था। उन्होंने कहा कि हमारी अनुषंगी में बहुलांश हिस्सेदारी कायम रहेगी। फिलहाल इसकी चुकता पूंजी 1.3 करोड़ यूरो की है। अभी हमारी फिरेमा में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। नए निवेशकों के आने के बाद इसमें हमारी हिस्सेदारी कुछ घटेगी।

एफपीआई ने जुलाई में अब तक शेयरों में किया 1,100 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली जुलाई में थमती नजर आ रही है। इस महीने एफपीआई अब तक 1,100 करोड़ रुपये के शेयर खरीद चुके हैं। इससे पहले जून में एफपीआई ने 50,145 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। यह मार्च, 2020 के बाद किसी एक माह में एफपीआई की बिकवाली का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। उस समय एफपीआई ने शेयरों से 61,973 करोड़ रुपये निकाले थे। पिछले लगातार नौ माह से एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों से निकासी कर रहे थे। बाजार जानकारों ने कहा ` कि बढ़ती महंगाई तथा मौद्रिक रुख में सख्ती के चलते अभी एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से 22 जुलाई के दौरान एफपीआई ने शेयरों में 1,099 करोड़ रुपये डाले हैं। इस महीने एफपीआई की अंधाधुंध बिकवाली न केवल रुकी है, बल्कि माह के कुछ दिन तो वे शुद्ध लिवाल रहे हैं। उन्होंने कहा ` कि एफपीआई की लिवाली की एक और बड़ी वजह यह है कि उनका मानना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक आगामी बैठक में ब्याज दरों में इतनी आक्रामक वृद्धि नहीं करेगा, जैसा कि पहले अनुमान लगाया जा रहा था। इससे डॉलर सूचकांक भी नरम हुआ है, जो उभरते बाजारों की दृष्टि से अच्छा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में मंदी की संभावना भी कम हुई है। इसके अलावा हाल में बाजार में आए करेक्शन की वजह से भी लिवाली के अवसर बढ़े हैं। इस साल अभी तक एफपीआई शेयरों से 2.16 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। यह किसी एक साल में एफपीआई की निकासी का सबसे ऊंचा स्तर है। इससे पहले 2008 के पूरे साल में उन्होंने 52,987 करोड़ रुपये निकाले थे। शेयरों के अलावा समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में शुद्ध रूप से 792 करोड़ रुपये डाले हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.98 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में रिलायंस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रहीं

नई दिल्ली ।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 2.98 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ।

सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं। सिर्फ जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। कुल मिलाकर शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2,98,523.01 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 68,564.65 करोड़ रुपए बढ़कर 16,93,245.73 करोड़ रुपए, टीसीएस के बाजार मूल्यांकन 64,929.87 करोड़ रुपए बढ़कर 11,60,285.19 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 34,028.7 करोड़ रुपए बढ़कर 5,56,526.81 करोड़ रुपए, इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन 31,893.77 करोड़ रुपए बढ़कर 6,33,793.91 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 30,968.4 करोड़ रुपए बढ़कर 4,58,457.30 करोड़ रुपए, बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 20,636.69 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 3,78,774.69 करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर का 16,811.32 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 6,20,362.58 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,110.37 करोड़ रुपए बढ़कर 7,73,770.09 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का 14,579.24 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 4,16,701.23 करोड़ रुपए रहा। वहीं दूसरी ओर एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 12,396.99 करोड़ रुपए घटकर 4,35,760.72 करोड़ रुपए रह गया।

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, एलआईसी, एचडीएफसी और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

बिजली संयंत्रों में कोयले के साथ बायोमास के उपयोग की योजना बनाएं राज्यः सरकार

नई दिल्ली ।

बिजली मंत्रालय ने राज्यों से खरीफ कटाई सत्र से पहले ताप बिजली संयंत्रों में कोयले के साथ बायोमास का भी उपयोग करने के लिए एक समयबद्ध योजना बनाने को कहा है। इससे पराली जलाने में कमी आएगी और वायु प्रदूषण को कम किया जा सकेगा। वायु प्रदूषण की समस्या के हल तथा ताप बिजली संयंत्रों के कॉर्बन उत्सर्जन को घटाने के लिए बिजली मंत्रालय ने पिछल साल अक्टूबर में कृषि अपशिष्ट आधारित बायोमास के इस्तेमाल की नीति में संशोधन किया था। संशोधित नीति के तहत ताप बिजली संयंत्रों के लिए कोयले के साथ ईंधन के रूप में पांच से सात प्रतिशत बायोमास के इस्तेमाल को अनिवार्य कर दिया गया था। पराली जलाने की वजह से देश को हर साल वायु प्रदूषण की समस्या से जूझना पड़ता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बिजली मंत्रालय ने सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर कोयले के साथ बायोमास का ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने के लिए एक समयबद्ध नीति बनाने को कहा है। ताप बिजलीघरों के साथ स्वतंत्र बिजली संयंत्रों (आईपीपी) के लिए समयबद्ध योजना बनानी होगी।पत्र में मंत्रालय ने राज्यों, संघ शासित प्रदेशों से कहा है कि वे अपने संबंधित राज्य बिजली नियामक आयोग (एसईआरसी) के साथ इस मुद्दे को उठाएं जिससे बायोमास के इस्तेमाल को भी उनके शुल्क नियमनों में शामिल किया जा सके। बिजली मंत्रालय का यह कदम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि खरीफ की कटाई के बाद सर्दियों में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। पत्र में मंत्रालय ने कहा है कि बिजली संयंत्रों में कोयले की आपूर्ति की हालिया समस्या की वजह से कोयले के साथ बायोमास का ईंधन के रूप में इस्तेमाल और महत्वपूर्ण हो जाता है। पत्र में बायोमास के इस्तेमाल के आर्थिक पहलू का भी जिक्र किया गया है। इसमें गया है कि आयातित कोयले की लागत ऊंची बैठती है जबकि बायोमास कम मूल्य पर उपलब्ध होता है।

जनवरी से जून तक ऑफिस स्पेस की नई आपूर्ति बढ़कर 2.37 करोड़ वर्गफुट हुई

नई दिल्ली ।

कोरोना महामारी के बाद देश के छह प्रमुख शहरों में मांग बढ़ने के कारण जनवरी से जून के बीच ऑफिस स्पेस की नई आपूर्ति लगभग दोगुनी होकर 2.37 करोड़ वर्गफुट हो गई। एक ` निवेश कंपनी ने यह जानकारी दी। पिछले वर्ष जनवरी से जून के बीच बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर में ऑफिस स्पेस की आपूर्ति 1.21 करोड़ वर्गफुट थी। आंकड़ों के मुताबिक चेन्नई में नई आपूर्ति जनवरी से जून 2021 में 4 लाख वर्गफुट थी जो जनवरी-जून 2022 में बढ़कर 42 लाख वर्गफुट हो गई। इस दौरान दिल्ली-एनसीआर में नई आपूर्ति पिछले वर्ष के 15 लाख वर्गफुट से बढ़कर इस वर्ष 24 लाख वर्गफुट हो गई। हैदराबाद में ऑफिस स्पेस की आपूर्ति 2022 की पहली छमाही में तीन गुना से अधिक बढ़कर 64 लाख वर्गफुट हो गई जो एक साल पहले 19 लाख वर्गफुट थी। मुंबई में नई आपूर्ति 8 लाख वर्गफुट से बढ़कर 11 लाख वर्गफुट हुई और पुणे में नई आपूर्ति पिछले वर्ष के चार लाख वर्ग फुट से कई गुना बढ़कर 38 लाख वर्ग फुट हो गई। हालांकि बेंगलुरु में जनवरी-जून 2022 में नई आपूर्ति घटकर 57 लाख वर्ग फुट हो गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 73 लाख वर्गफुट थी। जनवरी से जून 2022 के बीच छह शहरों में ऑफिस स्पेस को पट्टे पर चढ़ाने की गतिविधि ढाई गुना बढ़कर 2.75 करोड़ वर्गफुट हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1.03 लाख वर्ग फुट थी। कॉलियर्स इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कॉरपोरेट कंपनियां बीते दो साल से बनी अनिश्चितताओं के हालात से उबर गई हैं और अब वे विस्तार की बड़ी योजनाओं को आगे बढ़ा रही हैं।

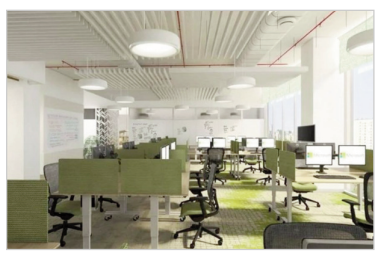

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैथरीन ब्रंट अंतरराष्ट्रीय टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी

वॉर्सेस्टर । इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज कैथरीन ब्रंट अपने सुसज्जित करियर में एक और रिकॉर्ड जोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय टी20 में इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। ब्रंट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए टी20 मैच में लौरा वुलवार्ड्ट का विकेट लेकर अंतरराष्ट्रीय टी20 में 103 विकेट पूरे किए। उन्होंने इस मैच में 24 रन देकर एक विकेट हासिल किया। ब्रंट अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर में 99 मैच खेलकर 18.7 की औसत से 103 विकेट ले चुकी हैं। इस बीच, इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से मात दी। प्रोटियाज ने इंग्लैंड के सामने 149 रन का लक्ष्य रखा था जिसे उन्होंने एक ओवर रहते ही हासिल कर लिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की टी20 श्रंखला में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है।

महिला क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण हैं राष्ट्रमंडल जैसे आयोजन : हरमनप्रीत कौर

मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2022 से पहले कहा कि इस तरह के आयोजन महिला क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। हरमनप्रीत ने शनिवार को एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, एक क्रिकेटर के रूप में हम ज्यादा मैच खेलना चाहते हैं। जब भी आप किसी बड़े आयोजन में जाते हैं तो आपके लिये आपके लिये अच्छा प्रदर्शन करना महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, बिल्कुल, अगर हमें ऐसे आयोजनों में खेलने का मौका मिले तो यह महिला क्रिकेट के लिए अच्छा है। महिला क्रिकेट को बहु-राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल करना 'गेम-चेंजर हो सकता है। बर्मिंघम में 28 जुलाई से शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पहला मैच ग्रुप ए में महिला टी20 विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। इसके दो दिन बाद उनका सामना चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा, जिसके बाद वह तीन अगस्त को ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच में बारबाडोस के खिलाफ खेलेंगे। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मैच छह अगस्त को खेले जाएंगे जबकि स्वर्ण और रजत पदक मुकाबले सात अगस्त को खेले जाएंगे। सभी मुकाबले एजबेस्टन में आयोजित होंगे। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम पहली बार आयोजन में हिस्सा लेते हुए पोडियम पर जगह बनाना चाहेगी। उन्होंने कहा, यह आयोजन हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण है। हम इस बार पदक के लिए खेल रहे हैं। अगर मैं अपने बारे में बात करूं तो हम इस तरह के आयोजन देखते हुए बड़े हुए हैं और इस बार हम इस आयोजन का हिस्सा बनकर बहुत खुश हैं। मेरा मानना है कि अगर भविष्य में हमें इस तरह के

अवसर मिलते रहे तो हमारे लिए अद्भुत होगा।

विराट का लक्ष्य एशिया कप और विश्वकप में टीम को जीत दिलाना

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि उनका लक्ष्य टीम इंडिया को एशिया कप और विश्व कप में जीत दिलाना है और इसके लिए वह अपनी ओर से सभी प्रयास करेंगे। माना जा रहा है कि विराट ने अपने इस बयान के जरिये आलोचकों को जवाब दिया है। लंबे समय से फार्म में नहीं होने के कारण विराट आजकल आलोचकों के निशाने पर है। यहां तक की उन्हें टीम से बाहर किये जाने की भी मांग की जाती रही है। इस सबके बीच ही विराट ने अपने प्रशंसकों को दिये एक संदेश में कहा, 'मेरा लक्ष्य टीम इंडिया को एशिया कप और विश्वकप जीतने में मदद करना है. इसके लिए जो भी कुछ करना होगा, उसके लिए मैं तैयार हूं।' एशिया कप सितंबर में में यूएई में होने की संभावना है जबकि विश्व कप अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होगा। अभी आराम कर रहे विराट अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा और बेटी वामिका के साथ पेरिस गये हैं। उन्हें अब अगले एक महीने तक कोई सीरीज नहीं खेलनी है क्योंकि अगले माह भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। उसी के बाद एशिया कप खेला जाएगा। विराट सहित अनुभवी खिलाड़ियों को वेस्टइंडीज दौरे के लिए आराम दिया गया है। विराट इससे पहले इंग्लैंड दौर में असफल रहे थे। ऐसे में वापसी के बाद उनके ऊपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहना तय है।

कनाडा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

यूजीन ।

कनाडा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 43100 मीटर रिले दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है। कनाडा ने अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों की यह 43100 मीटर रिले दौड़ जीती ह अमरीकी टीम 43100 मीटर के पहले तीन चरणों में आगे थी पर चौथे चरण में खराब पदर्शन के कारण कनाडा ने बाजी मार ली। ऐरन ब्राउन, जेरोम ब्लेक, ब्रेंडन रॉडनी और आंद्रे डी ग्रास की कनाडाई टीम ने 37.48 सेकंड समय निकालकर दौड़ पूरी की। वहीं दूसरे स्थान पर रहने के कारण रजत से संतोष करने वाली अमरीका टीम केवल 0.07 सेकंड पीछे रह गयी थी। ब्रिटेन ने 37.83 सेकंड समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य कांस्य पदक अपने नाम किया।

एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं हार्दिक : शास्त्री

टी20 में ही खेलते नजर आयेंगे

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच कोच रवि शास्त्री का अनुमान है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अगले साल होने वाले विश्व कप के बाद एकदिवसीय क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं। शास्त्री के अनुसार आने वाले समय में खिलाड़ी किसी एक प्रारुप में ही खेलते हुए नजर आ सकते हैं। शास्त्री ने कहा, इसके बाद भी टेस्ट क्रिकेट का हमेशा महत्व बना रहेगा। उन्होंने कहा कि आजकल खिलाड़ी पहले ही तय कर लेते हैं कि उन्हें किस प्रारुप में खेलना है। पांड्या को ही देखें तो वह भविष्य में टी20 क्रिकेट ही खेलना चाहते हैं हालांकि अगले साल घरेलू जमीन पर होने वाले विश्व कप को देखते हुए वह तब तक एकदिवसीय में खेलना जारी रखेंगे। उसके मन में बिल्कुल साफ है कि 'मुझे टी20 के अलाव और कुछ नहीं खेलना है। इसलिए वह एकदिवसीय विश्व तक इस प्रारुप में खेलने के बाद इसे अलविदा कह देंगे। यही स्थिति अन्य खिलाड़ियों के साथ भी देखने को मिलेगी। खिलाड़ी प्रारूप चुनना शुरू कर देंगे जो एक प्रकार से उनका उनका अधिकार भी है। शास्त्री ने यह भी कहा कि आने वाले समय में फ्रैंचाइजी क्रिकेट ही खेल पर हावी रहेगा।

उन्होंने कहा, ऐसा होने जा रहा है, फ्रैंचाइजी क्रिकेट विश्व पर राज करेगा। पर इसके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को नुकसान होगा। इसको देखते हुए आपकों खेल मुकाबलों में कमी करनी होगी। द्विपक्षीय क्रिकेट कर करना होगा जिससे कि खिलाड़ियों पर बोझ कम हो और वे अंतराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते रहें।

संक्षिप्त समाचार

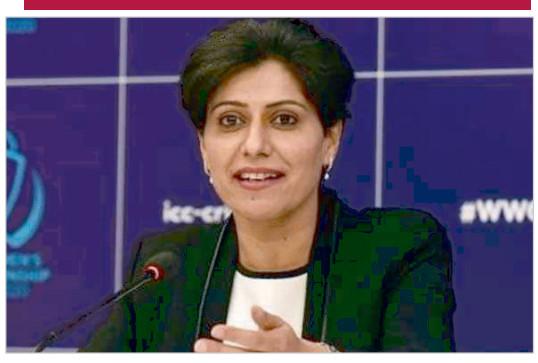

विराट के बचाव में सामने आई पूर्व महिला क्रिकेट कप्तान

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा है कि विराट एक अच्छे खिलाड़ी हैं और वह शानदार वापसी करेंगे। अंजुम ने माना कि विराट अभी रन नहीं बना पा रहे हैं पर वह लय हासिल करने लिए अभ्यास कर रहे होंगे। विराट के खराब फार्म को देखते हुए कई दिग्गजों ने उन्हे टीम से बाहर किये जाने की सलाह भी दी है। इंग्लैंड के दौरे में भी वह असफल रहे हैं। जहां महान ऑलराउंडर कपिल सहित कई खिलाड़ियों ने विराट को बाहर करने की बात कही है। वहीं कुछ दिग्गज उनके समर्थन में भी हैं। अंजुम विराट का बचाव करते हुए कहा कि वह कई ऐसे खिलाड़ियों को जानती हैं जिन्होंने 30-40 रन बनाकर भी टीम में अपनी जगह बनाये रखी है। अंजुम ने कहा, 'मैंने ऐसे कई क्रिकेटर देखे हैं, जो 30-40 रन बनाकर भी काफी साल तक भारतीय टीम की ओर से खेलते रहे। विराट ने इतने उंचे मापदंड बनाये हैं कि जब वह 30 से 40 रन बनाते हैं तो हमें काफी कम लगते हैं पर मुझे भरोसा है कि वह आने वाले दिनों में जमकर रन बनाकर अच्छी वापसी करेंगे।' उन्होंने कहा, 'विराट स्वयं जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। जब आप अपने नाम के अनुसार स्कोर नहीं कर पाते हैं तो आप ज्यादा अभ्यास करते हैं। उम्मीद है कि वह भ्री अभ्यास कर रहे होंगे। वह फॉर्म में वापसी के लिए हरसंभव कोशिश कर रहे होंगे। जिस तरह से इस समय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला जा रहा है, आप केवल अभ्यास से ही वापसी कर सकते हैं।' इस पूर्व महिला क्रिकेटर ने कहा कि एक खिलाड़ी केवल प्रयास ही कर सकता है ताकि खराब दौर से बाहर निकल जाये। यही विराट भी कर रहे होंगे। साथ ही कहा कि कभी-कभी उस उनुसार काम नहीं होते जैसे आप करते हैं। विराट के ऊपर सभी का ध्यान आता है , इसलिए उनपर एक प्रकार से दबाव भी बना रहता है।

नामीबिया में सिंतबर में आमने-सामनें होगी एक भारतीय टीम और एक पाकिस्तानी टीम

कोलकाता ।

सिंतबर में नामीबिया की धरती पर एक भारतीय टीम और एक पाकिस्तान की टीम आमने-सामने होगी। जिस समय संभवत: यूएई में एशिया कप खेला जाएगा, तब नामीबिया चार टीमों वाली ग्लोबल टी20 नामीबिया सीरीज का आयोजन करेगा। सीरीज में मेजबान टीम के अलावा भारत से बंगाल की टीम, पाकिस्तान से लाहौर कलंदर्स और दक्षिण अफ्रीका से एक घरेलू टीम का समावेश होगा। बंगाल ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है और कलंदर्स सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गए हैं। एक दक्षिण अफ्रीकी टीम का नाम जल्द ही घोषित किए जाने की संभावना है। अंतिम निर्णय से पहले कुछ लॉजिस्टिक समस्याओं को दूर किया जा रहा है। बंगाल ने टूर्नामेंट के लिए 16 सदस्यीय टीम का चयन किया। अभिमन्यु ईश्वरन टीम की कमान सौंपी गई हैं और शाहबाज अहमद, इशान पोरेल, मुकेश कुमार, आकाश दीप, ऋतिक चटर्जी जैसे कई नियमित खिलाडियों के अलावा कुछ नए चेहरों को शामिल किया गया है। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के संयुक्त सचिव देवव्रत दास ने कहा कि 2022 टी20 विश्व कप में हिस्सा लेने वाली टीम के खिलाफ खेलने का अवसर बंगाल के खिलाड़ियों के लिए अमूल्य होगा।

दास ने कहा कि टूर्नामेंट के ब्रॉडकास्टर हमारे अध्यक्ष (अभिषेक डालमिया) के पास आए और उन्होंने हमें आमंत्रित किया। हमने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से पहले छह-सात मैच खेलने का मौका स्वीकार किया, क्योंकि हमें एक विश्व कप टीम के खिलाफ खेलने का मौका मिल रहा है। जिस टीम को हम विदेश भेज रहे हैं, यह एक नई टीम है। हम देखना चाहते हैं कि वह कैसे खेलती है और इस टूर्नामेंट से कैसे निपटती है। नामीबिया के लिए अक्तूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का बढिया मौका होगा। संयुक्त अरब अमीरात में हुए 2021 टी-20 विश्व कप में, नामीबिया प्रारंभिक दौर से सुपर 12 चरण में जगह बनाने के बाद ग्रुप 2 में पांचवें स्थान पर रहा था। नामीबिया इस टी20 टूर्नामेंट के बाद पापुआ न्यू गिनी में वनडे त्रिकोणीय सीरीज खेलेगा और ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगा, जहां उन्हें पहले दौर में श्रीलंका, नीदरलैंड्स और यूएई के साथ एक ग्रुप में रखा गया है। हाल के वर्षों में भारत और पाकिस्तान की घरेलू टीमों के बीच बहुत कम प्रतिनिधि क्रिकेट खेला गया है।

टीम इंडिया के इन दिग्गजों ने वनडे में जड़े सर्वाधिक सिक्सर

नई दिल्ली । टीम इंडिया एक बार फिर एक दिवसीय क्रिकेट में अपना शानदार प्रदर्शन करने को तैयार है। इस बार टीम का सामना वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के साथ होगा। भारतीय टीम कैरेबियन टीम के साथ 2-2 हाथ करने के लिए वेस्टइंडीज पहुंच भी चुकी है जहां दोनों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज होनी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले बात करें भारतीय टीम के लिए इस फॉर्मेट में किन खिलाड़ियों ने सर्वाधिक सिक्स लगाए हैं, तो इस लिस्ट में पहला नाम 'हिटमैन' रोहित शर्मा का आता है। शर्मा ने वनडे में देश के लिए 233 मैच खेलते हुए 226 पारियों में 250 छक्के लगाए हैं। भारतीय टीम के लिए वनडे में सर्वाधिक सिक्स लगाने के मामले में दूसरा नाम पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का आता है। धोनी ने देश के लिए 350 वनडे मुकाबले खेलते हुए 297 पारियों में 229 छक्के लगाए हैं। तीसरे स्थान पर देश के महान पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम आता है। तेंदुलकर ने भारतीय टीम के लिए वनडे में 1989 से 2012 के बीच 463 मुकाबले खेले। इस दौरान उनके बल्ले से 452 पारियों में 195 छक्के निकले। इन दिग्गजों के बाद चौथे स्थान पर मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष एवं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का नाम आता है। गांगुली ने देश के लिए 311 वनडे मुकाबले खेलते हुए 300 पारियों में 190 छक्के लगाए हैं। पांचवें स्थान पर पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर खिलाड़ी युवराज सिंह का नाम आता है। युवराज ने देश के लिए वनडे में 304 मुकाबले खेलते हुए 278 पारियों में 155 छक्के लगाए हैं। छठवें स्थान पर पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का नाम आता है। सहवाग ने टीम इंडिया के लिए वनडे प्रारूप में 251 मुकाबले खेलते हुए 245 पारियों में 136 छक्के लगाए हैं। सातवें स्थान पर पूर्व कप्तान एवं मौजूदा समय में बल्लेबाजी के आधारस्तंभ विराट कोहली का नाम आता है। कोहली ने वनडे में देश के लिए 262 मुकाबले खेलते हुए 253 पारियों में 125 छक्के लगाए हैं। आठवें नंबर पर पूर्व स्टार ऑलराउंडर खिलाड़ी सुरेश रैना स्थित हैं। रैना ने देश के लिए 226 मुकाबले खेलते हुए 194 पारियों में 120 छक्के लगाए हैं। नौवें स्थान पर 51 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी अजय जडेजा का नाम आता है। जडेजा ने देश के लिए वनडे में 1992 से 2000 के बीच 196 मुकाबले खेलते हुए 179 पारियों में 85 छक्के लगाए हैं।

चोटिल रविंद्र जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ दो वन-डे मैचों से बाहर

पोर्ट ऑफ स्पेन ।

भारतीय ऑलराउंडर क्रिकेटर रविंद्र जडेजा घुटने की चोट के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां 3 मैचों की श्रृंखला के शुरुआती वनडे से पहले उनकी फिटनेस की जानकारी दी। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक- रविंद्र जडेजा के दाहिने घुटने में चोट लगी है और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे से बाहर हो गए हैं। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है और तीसरे एकदिवसीय में उनके भाग लेने पर फैसला उसी के अनुसार लिया जाएगा। वेस्टइंडीज टीम में वापसी करने वाले दिग्गज हरफनमौला जेसन होल्डर भी कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण इस मैच में चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

मैथ्यूज 100 टेस्ट खेलने वाले छठे श्रीलंकाई खिलाड़ी बने

गॉल ।

श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज 100 टेस्ट खेलने वाले छठे श्रीलंकाई खिलाड़ी बने हैं। मैथ्यूज ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे क्रिके टेस्ट मैच के लिए मैदान में उतरते ही यह उपलब्धि अपने नाम की है। मैथ्यूज ने अपना पदार्पण भी पाक के खिलाफ गाले के मैदान पर ही किया था। मैथ्यूज एक दशक बाद भी अपनी टीम के प्रमुख बल्लेबाज हैं हालांकि वह सीमित ओवरों की टीम से बाहर हो गये हैं। वह अभी टेस्ट में 7000 रन पूरे करने के करीब हैं। इस क्रिकेटर ने कहा कि 40 की उम्र में भी खेल रहे जिमी एंडरसन मेरे प्रेरणास्रोत हैं। मैं भी उसी प्रकार खेलना जारी रखना चाहता हूं क्योंकि मेरे अंदर अभी क्रिकेट बचा हुआ है।

अगली बार स्वर्ण जीतने का प्रयास करुंगा : नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली ।

नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह अगले साल विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने का प्रयास करेंगे। नीरज विश्व एथलेटिक्स की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय हैं। ओलंपिक स्वर्ण विजेता नीरज इस बार भी पदक जीतने की दौड़ में शामिल थे पर दो मीटर के फासले से वह स्वर्ण हासिल नहीं कर पाये। नीरज ने 88.13 मीटर भाला फेंककर रजत पदक जीता। वहीं ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने 90.54 मीटर के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।। गौरतब है कि भारत की ओर से विश्व चैम्पियनशिप में इससे पहले एकमात्र कांस्य पदक साल 2003 में अंजू बॉबी जॉर्ज ने लंबी कूद में जीता था। इस प्रकार रजत जीतकर नीरज ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत का 19 साल का सूखा समाप्त कराया । इस मुकाबले के बाद नीरज ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक वीडियो में कहा, 'काफी अच्छा लग रहा है आज। देश के लिए रजत जीता है। अगले साल फिर विश्व चैम्पियनशिप है और उसके स्वर्ण जीतने का प्रयास करुंगा। अगली अबार विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप हंगरी के बुडापेस्ट में खेली जाएगी। उन्होंने साथ ही कहा, 'मैं साइ, टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना), एथलेटिक्स महासंघ और भारत सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होने मेरा इतना समर्थन किया। मुझे विदेशी कोच के साथ ही देश से बाहर ट्रेनिंग दी जिस कारण अब में विदेश में हर अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में खेलने के लिए सक्षम बना हूं। साथ ही कहा,

'मैं उम्मीद करता हूं कि हर खेल में ऐसा ही सहयोग मिलता रहेगा और हमारा देश खेल में लगातार आगे बढ़ेगा। नीरज के रजत जीतने पर उन्हें एथलेटिक्स महासंघ के अलावा देश भर में खेल प्रशंसकों ने बधाईयां दी हैं। नीरज के घर और आसपास के इलाकों में जश्न का महौल है। सभी नीरज की सफलता से उत्साहित हैं।

हैम्बर्ग में अमेरिका की बरनार्डा पेरा व इस्टोनिया की अनेट कोनटेवित ट्रॉफी के साथ पोज देती हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

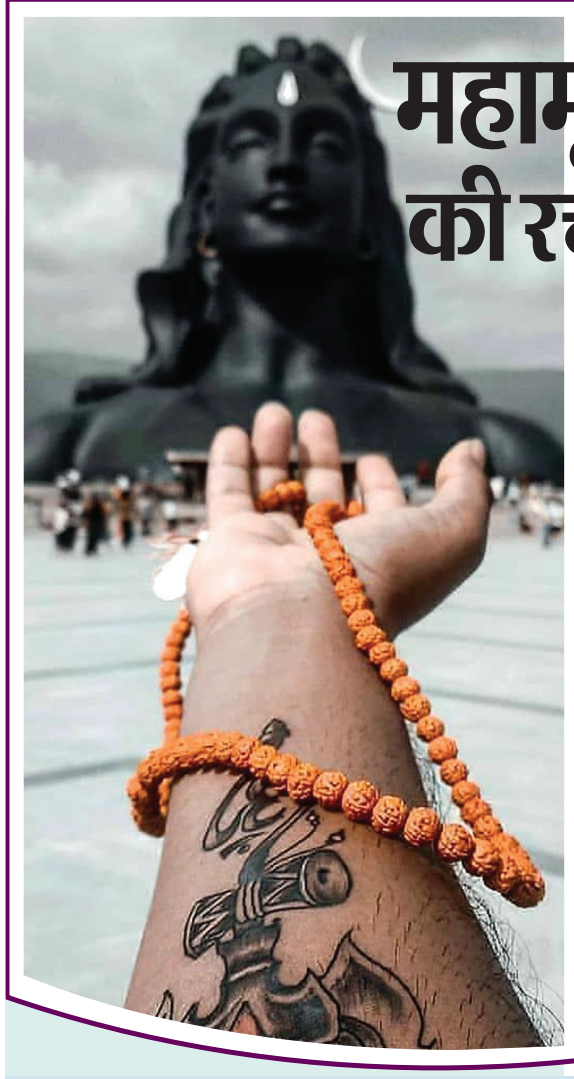

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए. यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए.पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। साथ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शिव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश- गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत- प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज्रक है अर्थात जगह जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचनें के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम : शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

●इमरती ●खीर ●मावा लड्डू ●ड्रायफ्रूट्स ●रबड़ी ●मालपुए ●खोपरापाक ●बूंदी के लड्डू ●बर्फी ●बेसन के व्यंजन ●कलाकंद ●मैसूर पाक ●रसमलाई ●पेड़ा ●घेवर ●सत्तू की मिठाई ●हलवा ●पेठा ●गुलाब जामुन ●जलेबी ●रसगुल्ला।

इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्रांति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुब्भ्याय चा हनन्याय च नमो घृष्णवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महे श्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकु सुम प्रिय।

नेपाल की संसद ने नागरिकता कानून में संशोधन को दी मंजूरी

काठमांडू: नेपाल की संसद ने नागरिकता कानून-2006 में बहुप्रतीक्षित संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी है। यह नेपाली नागरिकों के हजारों बच्चों को नागरिकता मिलने का मार्ग प्रशस्त करेगा। नेपाल के गृह मंत्री बालकृष्ण खंड ने नागरिकता विधायक (पहला संशोधन-2022) प्रतिनिधि सभा में पेश किया। सांसदों ने इसे पास करने से पहले विभिन्न प्रावधानों, जैसे नेपाली पुरुष से विवाह करने वाली विदेशी महिला और उनके नेपाल में जन्मे बच्चों, नेपाली माता से जन्मी संतानों को नागरिकता देने के प्रावधानों पर चर्चा की।

इसके बाद इसे सामान्य बहुमत से पास कर दिया गया। अब यह नेशनल असेंबली में जाएगा। यहां से पास होने के बाद यह राष्ट्रपति के पास जाएगा और उनकी मंजूरी के बाद नागरिकता कानून का भाग बन जाएगा। यह जन्म से नागरिक हजारों माता-पिता के बच्चों को वंश के आधार पर नागरिकता का रास्ता साफ करेगा। काठमांडो पोस्ट अखबार के मुताबिक, इसके लागू होने के बाद 20 सितंबर 2015 से पूर्व जन्मे बच्चों को माता अथवा पिता के नेपाल में रहने पर वंश के आधार पर नागरिकता मिलेगी। यह विधेयक 2020 से प्रतिनिधि सभा में विचाराधीन था, लेकिन पार्टियों के बीच प्रावधानों पर सहमति नहीं बनने के कारण पास नहीं हो सका था।

थाईलैंड के पीएम प्रयुत ने जीता अविश्वास प्रस्ताव, चार दिन हुई बहस के बाद हुए मतदान में मिले 256 वोट

बैंकॉक: थाईलैंड में अगले साल आम चुनाव होने से पहले उम्मीद के अनुरूप थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओचा ने संसद में अपना चौथा और अंतिम अविश्वास मत जीत लिया। प्रयुथ (68) और उनके 10 कैबिनेट सदस्यों को लेकर चार दिन तक हुई बहस के बाद मतदान हुआ। प्रयुत को 256 वोट मिले, जबकि उनके विरोध में 206 वोट पड़े। वहीं, नौ सांसद मतदान में गैरहाजिर रहे। विपक्ष ने बढ़ते सरकारी ऋण और भ्रष्टाचार को रोकने में नाकाम रहने के लिए प्रयुत सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया था। संसद में मौजूदा गठबंधन सरकार के बहुमत की बदौलत सभी 10 कैबिनेट मंत्री भी बच गए। मुख्य विपक्षी दल फेउ थाई पार्टी के प्रमुख चोलनन श्रीकाव ने कहा कि परिणाम निराशाजनक थे, क्योंकि ये जनता की भावना को नहीं दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि हम संसद में नहीं जीत सकते, लेकिन हम आम चुनाव में नहीं हारेंगे। सेवानिवृत्त जनरल प्रयुत 2020 के बाद से तीन निंदा प्रस्तावों से बचने में सफल रहे हैं और बहुमत होने के कारण उनकी गठबंधन सरकार बरकरार है।

तख्तापलट के दौरान सत्ता में आए थे प्रयुत

प्रयुत 2014 के तख्तापलट के दौरान सत्ता में आए थे और बाद में 2019 के आम चुनावों में प्रधानमंत्री निर्वाचित हुए थे। बैंकॉक के रंगसिट विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के व्याख्याता प्रोफेसर वानविच बूनप्रोंग ने कहा कि प्रयुत को मिले वोट की संख्या उनकी सरकार की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है और यह तय कर सकती है कि अगले साल मार्च में होने वाले आम चुनावों के लिए राजनीतिक गठबंधन की स्थिति कैसी होगी।

5वीं मंजिल से गिरी दो साल की बच्ची को बैंक कर्मी ने ऐसे बचाया, वीडियो देख फटी रह जाएंगी आंखें

बीजिंग: चीन में बहुमंजिला इमारत से एक बच्चे के गिरने का दिल दहला देने का मामला सामने आया है । इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगा है ।वीडियो में देखा जा सताहै कि एक बच्ची बिल्डिंग के पांचवें फ्लोर से नीचे गिर जाती है। लेकिन उसे एक शख्स सुपरहीरो किसी तरह बचा लेता है। घटना का वीडियो देख लोगों के दिल की धड़कनें बेकाबू हो रही हैं। घटना चीन में किसी जगह पर घटी है। शख्स अगर समय रहते नहीं पहुंचता है बच्ची की जान जा सकती थी । अब लोग उस शख्स की जमकर तारीफ कर रहे हैं, जिसमें बिना देर लगाए एक सुपरमैन की तरह बच्ची को बचा लिया वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक ऊंची बिल्डिंग के पांचवे फ्लोर से बच्ची फिसल जाती है और नीचे गिर जाती हैय् वो गिरते हुए सीधा पहले टैरेस पर आती है। फिर वहां से भी फिसल जाती है और जमीन पर गिरने लगती है।

सोशल मीडिया पर तलाक के बारे में बता रही थी पाकिस्तानी महिला, पति ने उतारा मौत के घाट

वाशिंगटन। शिकागो में रह रही 29 वर्षीय पाकिस्तानी मूल की महिला सानिया खान को अपने तलाक के बारे में सोशल मीडिया पर खुलासा करना महंगा पड़ गया। महिला को अंदाजा नहीं था कि उसका यह कदम उसकी जान ले लेगा।

दरअसल, महिला अपने पति से हुए तलाक के बारे में सोशल मीडिया पर चर्चा कर रही थी। लोगों को बता रही थी कि उसका तलाक कैसे हुआ। वहीं जब यह वायरल वीडियो पति के पास पहुंचा तो वह देखते ही आगबबूला हो गया और फिर उसने खौफनाक योजना बनाई। इसके बाद वह मौके की तलाश में था कि कब उसकी पत्नी दिखेगी और उसका खात्मा कर देगा। आखिर वह मौका मिल ही गया। एक दिन महिला का पति उसके घर जा धमका और गोली चलाकर हत्या कर दी।

सानिया की गोली मारकर हत्या की गई थी

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी अमेरिकी सानिया खान शिकागो के चट्टानूगा में रह रही थी। पुलिस रिपोर्ट में कहा गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंटों ने घटनास्थल पर पहुंचने के बाद दर्द से कराहने की आवाज सुनी। उन्होंने जैसे ही दरवाजा खोला सानिया को जमीन पर गिरे पाया। सानिया के सिर में गोली लगी थी। हालांकि कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

कैलिफोर्निया में जंगल में भीषण आग से तबाही, हजारों लोगों को घर छोड़ने का आदेश

न्यूयार्क: कैलिफोर्निया में योसेमिट नेशनक पार्क के समीप जंगल में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिसके कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश देना पड़ा। यह कैलिफोर्निया के जंगलों में इस साल लगी सबसे भयंकर आग है। इसके कारण 2,000 से अधिक घरों और उद्योगों की बिजली काटनी पड़ी। कैलिफोर्निया के वानिकी और अग्नि सुरक्षा विभाग के अनुसार, मारीपोसा काउंटी में मिडपाइंस शहर के समीप नेशनल पार्क के दक्षिणपश्चिम क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर को आग लगी और शनिवार तक यह करीब 48 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र तक फैल गई। सिएरा राष्ट्रीय वन के प्रवक्ता डेनियल पैटरसन ने कहा कि कम आबादी वाले ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे 6,000 से अधिक लोगों को शनिवार को अपने-अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश देना पड़ा। गवर्नर गैविन न्यूसम ने वन्य आग के कारण शनिवार को मारीपोसा काउंटी के लिए आपातकाल की घोषणा की।पैटरसन ने बताया कि 400 से अधिक दमकलकर्मी आग पर काबू पाने की कोशिशों में जुटे हैं और हेलीकॉप्टर, अन्य विमान तथा बुलडोजर की भी सहायता ली जा रही है। कैलिफोर्निया के दमकल विभाग ने बताया कि शनिवार सुबह तक आग लगने के कारण 10 रिहायशी और वाणिज्यिक इमारतें नष्ट हो गयी, पांच अन्य क्षतिग्रस्त हुई हैं तथा 2,000 से अधिक इमारतों को खतरा है।

अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की ओर चीन का बड़ा कदम, पहला लैब मॉड्यूल सफलतापूर्वक लॉन्च किया

बीजिंग। चीन ने अपने निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन का पहला लैब मॉड्यूल सफलतापूर्वक लॉन्च किया। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, लॉन्ग मार्च-5बी ङ्घ3 वाहक रॉकेट, वेंटियन को ले जा रहा था, जो दक्षिणी द्वीप प्रांत हैनान के तट पर वेनचांग अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित हुआ।

नया मॉड्यूल कोर मॉड्यूल के बैकअप के रूप में और देश द्वारा वर्तमान में बनाए जा रहे तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन में एक शक्तिशाली वैज्ञानिक प्रयोग मंच के रूप में कार्य करेगा। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के निर्माण को पूरा करने के लिए सही ट्रैक पर चल रहा है क्योंकि उसने सफलतापूर्वक पहला लैब मॉड्यूल लॉन्च किया है।

खुद का स्पेस स्टेशन स्थापित करने के लिए चीन पूरी ताकत झोंक रहा

बता दें कि अंतरिक्ष में खुद का स्पेस स्टेशन स्थापित करने के लिए चीन पूरी ताकत झोंक रहा है। निर्माण कार्य पूरा करने के लिए एक के बाद एक अंतरिक्ष यात्री को भेजा जा रहा है। इसी क्रम में चीन ने आज तीन अंतरिक्ष यात्रियों को मिशन पर भेज दिया है। यह मिशन करीब छह महीने तक चलेगा। तीनों यात्री चीनी स्पेस स्टेशन तियांगोंग का निर्माण कार्य पूरा करेंगे।

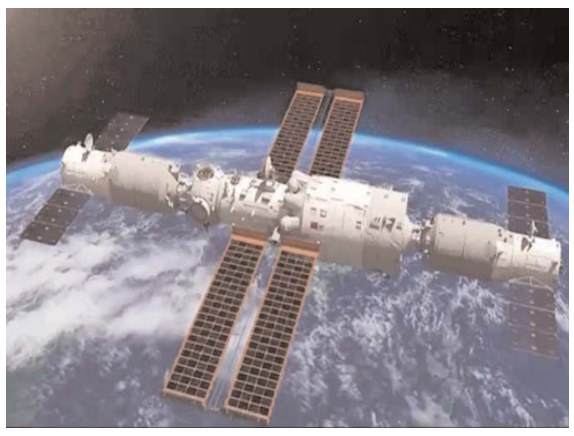

अंतरिक्ष यात्री चेन डोंग, लियू यांग और कै जुझे शेनझोउ-14 अंतरिक्ष यान के जरिए स्पेस में भेजे गए थे। यह दल पृथ्वी का चक्कर लगा रहे चीन के अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा करेगा। शेनझोउ-14 अंतरिक्षयान को उत्तर पश्चिमी चीन के जिकुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से लॉन्ग मार्च-2एफ रॉकेट के जरिये अंतरिक्ष में भेजा गया।

नेशनल स्पेस लैबोरेटरी की जाएगी स्थापित

चीनी अंतरिक्ष एजेंसी, सीएमएएए के डिप्टी डायरेक्टर लिन शिक्रियांग ने बताया कि मिशन के जरिए स्पेश स्टेशन को नेशनल स्पेस लैबोरेटरी बनाया जाएगा। लिन ने बताया कि शेनझोउ-14 का क्रू ग्राउंड टीम के साथ मिलकर काम करेगा। टीम कोर मॉड्यूल के साथ दो लैब मॉड्यूल के डॉकिंग और ट्रांसपोजिशन को पूरा करने का काम करेगी। वे पहली बार दो लैब मॉड्यूल में प्रवेश करेंगे और पर्यावरण को रहने के लिए उपयुक्त बनाने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि वे दो मॉड्यूल में एक दर्जन से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोग कैबिनेट खोलेंगे और उन्हें स्थापित करेंगे।

पाक पीएम शहबाज शरीफ और इमरान खान के बीच ट्विटर पर आए आमने-सामने, हुई तीखी बहस

वाशिंगटन। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान के बीच इस मुद्दे पर शनिवार को ट्विटर पर वाकयुद्ध छिड़ गया। इमरान खान ने राष्ट्रीय संपत्तियों को विदेशों में संपत्ति बेचने की सभी प्रक्रियाओं को दरकिनार करने को लेकर निशाना साधा। स्थानीय मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक कैबिनेट द्वारा अध्यादेश को मंजूरी दिए जाने के कुछ घंटों बाद ट्विटर पर तीखी बहस में, पूर्व पाक पीएम इमरान खान ने राष्ट्रीय संपत्ति की बिक्री के लिए 'आयातित सरकार' की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया।

इमरान खान ने पाक पीएम शहबाज पर पिछले 30 वर्षों से पाकिस्तान को लूटने और वर्तमान आर्थिक मंदी का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि इन चोरों को हमारी राष्ट्रीय संपत्ति को कभी भी कुटिल तरीके से बेचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इस बीच, पीटीआई अध्यक्ष के ट्वीट

का जवाब देते हुए, पीएम शहबाज ने कहा कि वह स्मृति हानि से

इमरान खान ने राष्ट्रीय संपत्तियों को विदेशों में संपत्ति बेचने की सभी प्रक्रियाओं को दरकिनार करने को लेकर निशाना साधा।

पीड़ित हैं और कुछ अनुस्मारक की आवश्यकता है।

पीएम शहबाज ने लिखा कि एक, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, उनके शासन के दौरान भ्रष्टाचार बढ़ा। यहां तक कि बड़े घोटालों के अलावा तबादलों/पोस्टिंग की भी बिक्री होती थी। उन्होंने कहा कि देश इस बात की कीमत चुका रहे हैं कि उन्होंने अर्थव्यवस्था को कैसे कुप्रबंधित किया। एक चैनल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, शहबाज ने इमरान खान पर देश की वैश्विक प्रतिष्ठा और स्थिति और मित्र देशों के साथ संबंधों को गहरी चोट पहुंचाने का आरोप लगाया।

नशा कारोबार नियंत्रण पर भारत और अमेरिका में समझौता, कई मुद्दों पर बनी सहमति

वाशिंगटन। भारत-अमेरिका में नारकोटिक्स नियंत्रण और कानून प्रवर्तन सहयोग के क्षेत्र में एक संशोधित पत्र समझौते (एएलओए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया, सात-आठ जुलाई को नई दिल्ली में भारत-अमेरिका काउंटर-नारकोटिक्स वर्किंग ग्रुप की तीसरी बैठक में दस्तखत किए गए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक साझा बयान में कहा गया कि एनसीबी महानिदेशक सत्य नारायण प्रधान ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुआई की और व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय औषधि नियंत्रण नीति के निदेशक के वरिष्ठ सलाहकार कैंप चेस्टर ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

बयान के मुताबिक, कानून प्रवर्तन, नीति निर्माण, दवा की मांग में कमी और अन्य नशीली दवाओं से संबंधित मामलों के लिए जिम्मेदार संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने नशीली दवाओं की मांग, नशे की तस्करी और आपराधिक जांच पर सहयोग से संबंधित व्यापक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों में कानून प्रवर्तन समन्वय, नियामक मामलों और द्विपक्षीय सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा की।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया, सात-आठ जुलाई को नई दिल्ली में भारत-अमेरिका काउंटर-नारकोटिक्स वर्किंग ग्रुप की तीसरी बैठक में दस्तखत किए गए।

कई मुद्दों पर सहमति

भारत और अमेरिका नशा-रोधी वर्किंग ग्रुप की छत्रछाया में नशीली दवाओं की मांग में कमी के विषयों को शामिल करने और नशीली दवाओं के तस्करी नेटवर्क द्वारा डायवर्ट अनियमित रसायनों से जूझने के लिए सहयोग पर भी सहमत हुए। दोनों पक्षों ने मादक पदार्थों की तस्करी और संबंधित अपराधों से निपटने में सूचना-साझाकरण और क्षमता निर्माण पर घनिष्ठ सहयोग पर भी चर्चा की।

श्रीलंका संकट: देश के हालात सामान्य करने को लेकर हुई कैबिनेट बैठक, पेट्रोल की कतार में खड़े दो लोगों की मौत

कोलंबो। नकदी संकट से जूझ रहे श्रीलंका में पेट्रोल खरीदने के लिए कतार में खड़े दो और लोगों की मौत हो गई। ये मौतें उस दिन हुई जब नवनिर्वाचित राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने खराब आर्थिक संकट घटाने के लिए दिनेश गुणवर्धने को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया। उधर, श्रीलंकाई मंत्रिमंडल ने विक्रमसिंघे के नेतृत्व में पहली बैठक की और एक सप्ताह में देश के सामान्य हालात करने के तरीकों पर चर्चा की।

समाचार पोर्टल 'लंका फर्स्ट' के अनुसार, 59 वर्षीय शख्स अपनी मोटरसाइकिल को श्रीलंका के पूर्वी प्रांत में स्थित किनिया में एक पेट्रोल पंप के पास दो रात से अधिक समय से छोड़कर जाते वक्त गिर गया। पीड़ित के शव को पोस्टमार्टम के लिए किनिया बेस अस्पताल ले जाया गया। वहीं देश के पश्चिमी प्रांत के मथुगामा में एक पेट्रोल पंप के बाहर ईंधन लेने के लिए लाइन

में लगे 70 वर्षीय शख्स की गिरने के बाद मौत हो गई। बता दें, देश के पेट्रोल पंपों पर 10 दिन बाद ईंधन की आपूर्ति शुरू की गई है, लेकिन वितरण की निर्धारित व्यवस्था न होने के कारण लोगों की भीड़ जुट रही है।

प्रदर्शनकारियों पर सैन्य कार्रवाई की निंदा

न्यूयॉर्क आधारित एक अधिकार समूह ने श्रीलंका में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सेना द्वारा शुक्रवार को की गई कार्रवाई की निंदा की है। इस कार्रवाई में 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे और नौ की गिरफ्तारी की गई थी। कोलंबो में भी सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर सैन्य कार्रवाई की मानवाधिकार समूह ने निंदा की है। उसने कहा, प्रदर्शनकारियों पर बल का इस्तेमाल गलत है।

सभी पार्टियों को स्थान देने के लिए मंत्रिमंडल विस्तार संभव

श्रीलंका के राष्ट्रपति चुने गए रानिल विक्रमसिंघे सभी पार्टियों को प्रतिनिधित्व देने के लिए मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकते हैं। टूरिज्म मंत्री हरिन फर्नांडो ने यह जानकारी दी। इससे पहले विक्रमसिंघे ने दिनेश गुणवर्धने को प्रधानमंत्री नियुक्त करने के साथ 18 सदस्यीय मंत्रिमंडल को शपथ दिलाई थी। हालांकि उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के आवासों से एक हजार कलाकृतियां गायब

इस महीने की शुरुआत में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवासों पर कब्जा करने के बाद एक हजार से अधिक कलाकृतियां गायब हैं। इनमें कई दुर्लभ और प्राचीन श्रेणी की थीं। प्रदर्शनकारियों ने नौ जुलाई को तत्कालीन राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के आवासों पर कब्जा कर लिया था। उन्होंने एक इमारत में आग भी लगा दी थी। कोलंबो वेबपेज पर पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवासों से गायब एक हजार कलाकृतियों में कई दुर्लभ हैं। इनकी तलाश के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है।

चीन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मोर्चेबंदी की तेज, 'परमाणु रोबोट' से किलर पनडुब्बियां करेगा तबाह

बीजिंग। दुनिया पर राज करने का सपना देखने वाला चीन अब जापान व ताइवान के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी मोर्चेबंदी को तेज करने जा रहा है। चीन ने दावा किया है कि उसने लंबी दूरी तक मार करने वाले 'परमाणु रोबोट' की डिजाइन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। ये 'परमाणु रोबोट' यानि टारपीडो परमाणु ऊर्जा से चलेंगे और बिना किसी के पकड़ में आए ही एक सप्ताह के अंदर ऑस्ट्रेलिया पर हमला कर सकते हैं। चीन ने दावा किया कि ये टारपीडो बहुत छोटे परमाणु रिएक्टर से चलेंगे जिससे यह हथियार छोटा रखने में उसे सफलता मिली है।

चीनी वैज्ञानिकों के मुताबिक इसमें रोचक बात यह है कि ये परमाणु रिएक्टर इस्तेमाल होने के बाद अपने आप ही नष्ट हो जाता है। चीन ने इस टारपीडो के लिए बड़ी योजना बनाई है। चीन बहुत कम कीमत वाले 'किलर रोबोट' का बेड़ा तैयार कर रहा है जिसे किसी सैन्य जहाज या सबमरीन के अंदर ले जाया जा सकेगा और उसे टारपीडो ट्यूब के अंदर रखा जा सकेगा। साउथ चाइना मॉर्निंग

पोस्ट के मुताबिक चीन इस टारपीडो का इस्तेमाल उस समय कर सकता है जब ये पनडुब्बियां अपने देश की जलीय सीमा के अंदर होती हैं। किसी दुश्मन देश की जलीय सीमा में युद्धपोत या फाइटर जेट से हमला करना बहुत कठिन होता है। चीन अब एक सप्ताह के अंदर ही प्रशांत महासागर के अंदर टारपीडो की पूरी फौज से हमला बोल सकता है। बताया जा रहा है कि चीनी वैज्ञानिकों ने अभी इस हथियार के डिजाइन का काम पूरा किया है और अब उसे फाइनल रूप दिया जाएगा। चीनी वैज्ञानिक गुओ जिआन ने कहा कि यह तकनीक बहुत सस्ती और आसानी से इस्तेमाल होने वाली होगी। इससे इस वेपन का बड़े पैमाने पर निर्माण हो सकेगा। चीनी वैज्ञानिक ने कहा कि इस परमाणु टॉरपीडो का इस्तेमाल परंपरागत हथियारों जैसे हमलावर परमाणु पनडुब्बी में इस्तेमाल किया जा सकेगा। वहीं दुनिया के अन्य वैज्ञानिकों ने इसकी तुलना रूस के महाशक्तिशाली पोसाइडन सिस्टम से की है। पोसाइडन रूस का एक परमाणु हथियार है जिसका इस्तेमाल टॉरपीडो और ड्रोन दोनों के रूप में होता है। रूस का दावा है कि उसके पोसाइडन हथियार को वर्तमान परमाणु डिफेंस भी नहीं रोक सकते हैं।

रूस ने अनाज समझौते के बाद फिर यूक्रेन पर किया वार, ओडेसा बंदरगाह पर दागीं मिसाइलें

कीव। रूस और यूक्रेन द्वारा ओडेसा से अनाज का निर्यात फिर से शुरू करने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के कुछ घंटों बाद, रूसी सेना ने काला सागर में यूक्रेनी बंदरगाह ओडेसा पर मिसाइल दागीं। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को हुए इस हमले की निंदा करते हुए कहा कि रूस का यह कदम, अनाज निर्यात का समझौता कराने वाले तुर्की और संयुक्त राष्ट्र का 'मखौल उड़ाने जैसा है।' यूक्रेन की सेना की दक्षिणी कमान ने कहा कि दो रूसी कैलिबर मिसाइल ने बंदरगाह पर हमला किया और यूक्रेन की हवाई रक्षा सेना ने दो अन्य मिसाइल को नष्ट कर दिया। कमान की प्रवक्ता नतालिया हुमेनयुक ने कहा कि किसी अनाज गोदाम को नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओलेग निकोलेंको ने कहा, ÷इस्तांबुल समझौते के तहत संयुक्त राष्ट्र और तुर्की के समक्ष किये गए वादे को तोड़ने में रूस ने 24 घंटे भी नहीं लगाए और ओडेसा बंदरगाह पर मिसाइल से हमला किया।' उन्होंने कहा, 'वादा नहीं निभाने की सूरत में, वैश्विक खाद्य संकट के लिए रूस पूरी तरह जिम्मेदार होगा।'यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के 150वें दिन किये गए मिसाइल हमले पर निकोलेंको ने कहा कि यह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस और तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैय्यब एर्दोआन का मखौल उड़ाने जैसा है, जिन्होंने यह समझौता कराया था।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मौसम विभाग ने दी आधा दर्जन प्रदेशों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली । छिटपुट इलाकों को छोड़ दे तो मानसून पूरे देश में मेहरबान है। हर राज्य में झमाझम जारी है। लंबी प्रतीक्षा के बाद अब उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में भी मेघ अपना स्नेह बारसा रहे हैं। रिमझिम फुहारों के बाद अब यहां अगले कुछ दिनों के दौरान मूसलाधार बारिश की संभावना जताई जा रही है। यहां के किसान आसमान पर टकटकी लगाए बैठे हैं। बता दें कि देश की कुल सालाना बारिश की करीब 70 प्रतिशत वर्षा मानसून में होती है और देश के करीब 60 प्रतिशत बुआई क्षेत्र सिंचाई के लिए इसी पर निर्भर करता है। मौसम विभाग ने 6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। यहां 24-25 जुलाई को मूसलाधार बारिश हो सकती है। ये राज्य हैं- गुजरात, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश। उधर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सहित पहाड़ों पर बारिश की गतिविधियां अगले 1 सप्ताह तक जारी रहेंगी। स्काइमेट के मुताबिक मानसून की रेखा अब एक बार फिर मध्य भारत की तरफ बढ़ रही है। इसके चलते अगले 4 या 5 दिनों के दौरान मध्य प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। उधर छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भी अगले कुछ दिनों के दौरान तेज बारिश हो सकती है। रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिन से हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। दक्षिण बस्तर का बीजापुर कई छोटी नदियों और जलाशयों में बाढ़ का पानी भर जाने से प्रभावित है और इस कारण लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अगले 24 घंटों के दौरान, गुजरात, दक्षिण राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, ओडिशा, कोंकण और गोवा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। उधर सिक्किम, पश्चिम बंगाल, पूर्वोत्तर राज्य, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान के बाकी हिस्सों, तटीय कर्नाटक और केरल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। राजस्थान में राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों में बारिश का दौर जारी है। बीते चौबीस घंटे में राज्य में सबसे ज्यादा बारिश कोटा के लाडपुरा में 13 सेंटीमीटर दर्ज की गई। विभाग के मुताबिक, इस दौरान सवाई माधोपुर, गंगानगर, नागौर, भरतपुर, दौसा, सीकर, बांसवाड़ा और अजमेर सहित अनेक जिलों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राजधानी जयपुर में शुक्रवार शाम बारिश का दौर शुरू हुआ, जो लगातार जारी है।

पंजाब पुलिस मूसेवाला के छठे शूटर दीपक मुंडी की तलाश में 6 राज्यों में कर रही सर्च ऑपरेशन

चंडीगढ़ । पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की बर्बर हत्या के आरोपी दो शूटर्स को मुठभेड़ में ढेर करने के बाद पंजाब पुलिस छठे शूटर दीपक मुंडी की तलाश में आधा दर्जन राज्यों में कवायद कर रही है। इसके लिए पुलिस ने कई टीमें तैयार की हैं। दीपक मुंडी की तलाश में पंजाब के अमृतसर के अलावा हिमाचल, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और यूपी में छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने अमृतसर के सरहदी इलाके तरनतारन में भी सर्च अभियान चलाया है। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में पुलिस ने कुल छह शार्प शूटरों की पहचान की थी। जिनमें से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया और दो मुठभेड़ में मारे गए हैं। मूसेवाला का कत्ल करने वाले 3 शार्प शूटर प्रियव्रत फौजी, अंकित सिरसा और कशिश उर्फ कुलदीप जेल में हैं। जिसके बाद उनसे मिले इनपुट्स के आधार पर भी छठे शूटर दीपक मुंडी को पुलिस गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है। मनसा के एसएसपी गौरव तोरा का कहना है कि पुलिस को दीपक मुंडी के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। उसकी तलाश की जा रही है और हम उसके काफी करीब पहुंच चुके हैं। गौरतलब है कि सिद्धू मूसेवाला की 29 मई को मनसा के जवाहरके गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के कनाडाई गैंगस्टर गोल्डी बरार ने ली थी। मनसा पुलिस के मुताबिक इस हत्या में बोलेरो और कोरोला मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया था। दीपक मुंडी बोलेरो मॉड्यूल का हिस्सा था। जिसका नेतृत्व हरियाणा का शार्प शूटर प्रियव्रत फौजी कर रहा था। जबकि उनके साथ अंकित सिरसा और कशिश भी थे। पुलिस की करीब सात टीमें 6 राज्यों में फैल चुकी हैं और इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है कि शूटर दीपक मुंडी कहीं पाकिस्तान न भाग जाए। मुंडी कथित तौर पर फौजी और अन्य के साथ गुजरात गया था लेकिन 19 जून से एक दिन पहले उनसे अलग हो गया। जब दिल्ली पुलिस ने फौजी और केशव को पकड़ लिया था। रिपोर्ट्स में कहा गया कि वह बाद में कुछ दिनों के लिए अंकित के साथ था, लेकिन 4 जुलाई को दिल्ली में अंकित की गिरफ्तारी से पहले वह फिर से उससे अलग हो गया। पुलिस तब से उम्मीद कर रही थी कि वह रूपा और मनु के साथ हो सकता है, लेकिन वह उनके साथ नहीं मिला।

बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से कूदकर यूट्यूबर ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट में किए चौकाने वाले खुलासे

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में 23 वर्षीय एक यूट्यूबर ने कथित तौर पर गुरुवार की सुबह रिहायशी इमारत की तीसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वाले युवक की पहचान सी. धीना नाम से हुई है, जो आईआईआईटीएम ग्वालियर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सैदाबाद पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी के मुताबिक इस मामले में एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है जिसमें छात्र ने लिखा है कि वह अपने यूट्यूब चैनल पर दर्शकों की संख्या में कमी और माता-पिता द्वारा करियर संबंधी सलाह नहीं दिए जाने से निराश था। पुलिस ने बताया कि युवक यहां एक अपार्टमैंट में रहता था और मौजूदा समय में ऑनलाइन कक्षाओं के जरिए ही पढ़ाई कर रहा था। वह अकेलेपन और डिप्रेशन से पीड़ित था, जिसके चलते उसने यह बड़ा कदम उठाया। सुसाइड नोट में धीना ने यह भी खुलासा किया कि बचपन में उसके साथ रेप हुआ था और उसके माता-पिता हर समय लड़ते रहते थे। सी. धीना 'SeLFlo' नाम का एक YouTube चैनल चलाता था, जिसपर वह वीडियो गेम से संबंधित सामग्री को अपलोड करता था। यूट्यूबर ने मरने से पहले अपने चैनल पर अपनी एक वीडियो भी पोस्ट की थी। जिसमें उसे कहते हुए सुना जा सकता है कि एग्जाम कि वजह से वो अक्टूबर तक वीडियो पोस्ट नहीं कर पायेगा। सी. धीना की आत्महत्या की खबर सुनकर उनके फैंस सदमे में हैं।

बंगाल में कमजोर लोकसभा सीटों पर विशेष ध्यान देने भाजपा की कवायद, धर्मेंद्र प्रधान पहुंचे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अभी से कवायद शुरू कर दी है। पीएम नरेंद्र मोदी के निर्देश के बाद भाजपा आलाकमान ने मंत्रियों और सांसदों को सवा सौ से ज्यादा ऐसे लोकसभा क्षेत्रों में काम पर लगाया है, जहां भाजपा दूसरे नंबर पर रही और कम अन्तर से हारी थी। इन नेताओं को अगले दो साल लगातार वहां जाना है और अगले लोकसभा के चुनाव में वहां से भाजपा को जीत दिलानी है। इस निर्देश के बाद शिक्षा और कौशल विकास मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी अपने मुश्किल मिशन पर पश्चिम बंगाल निकल पड़े हैं। धर्मेंद्र प्रधान को कोलकाता उत्तर लोकसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी मिली है। वैसे भी बंगाल में भाजपा की एक-एक सीट पर कांटे की टक्कर होती है। पिछले विधानसभा चुनाव में 77 सीटें जीतने के बाद बीजेपी जोश में तो है। लेकिन भाजपा ये भी जानती है की ममता बनर्जी अगले लोकसभा के चुनाव में एक-एक वोट के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगी। लेकिन धर्मेंद्र प्रधान पर आलाकमान का भरोसा इसलिए भी है क्योंकि वो सिंगूर में शुवेन्दू अधिकारी के क्षेत्र के चुनाव प्रभारी रहे, जहां से चुनाव में ममता बनर्जी को हार का सामना करना पड़ा था।

मुंबई में कबड्डी प्लेयर की क्रिकेट स्टंप से पीट-पीटकर हत्या, लोगों का प्रदर्शन, अब तक तीन गिरफ्तार

मुंबई के धारावी में शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात एक 26 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी की क्रिकेट स्टंप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पूछताछ में दो आरोपियों ने अपना जुर्म पहले ही कुबूल कर लिया था जिसके बाद उनको गिरफ्तार कर लिया गया था। आज तीसरी आरोपी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस इस मामले में आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर चुकी है और इसकी जांच कर रही है। इन सबके बीच आज धारावी पुलिस स्टेशन के बाहर भीड़ जमा हो गई। कबड्डी खिलाड़ी की हत्या के मामले में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग होने लगी। इस विरोध प्रदर्शन में स्थानीय लोगों के साथ-साथ खिलाड़ी का परिवार भी शामिल था। जिस खिलाड़ी की हत्या की गई है उसका नाम विमल राज नादर है। विमलराज के पोस्टमार्टम में यह बात निकल कर आई है कि हत्या में क्रिकेट स्टंप के अलावा तेज धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया है। विमलराज के लिए इंसाफ की मांग कर रहे बड़ी संख्या में लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। पुलिस ने स्थानीय लोगों को शांत कराने की कोशिश की और आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को संदेह है कि हत्या की वजह पुरानी रंजिश हो सकती है।

'मैं पंडित नेहरू की आलोचना नहीं कर सकता', राजनाथ बोले- किसी की नीति खराब हो सकती है, नियत नहीं

जम्मू (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। उन्होंने जम्मू में कारगिल विजय दिवस समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश की सेवा में अपने प्राण न्यौछावर करने वालों को हम याद करते हैं। हमारी सेना ने हमेशा देश के लिए यह सर्वोच्च बलिदान दिया है। 1999 के युद्ध में हमारे कई बहादुर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति दी, मैं उन्हें नमन करता हूं। इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत आज आत्मनिर्भर हो रहा है। आज जो भारत बोलता है पूरी दुनिया सुनती है।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि जब पंडित नेहरू देश के प्रधानमंत्री थे तो 1962 में चीन ने हमारे लद्दाख क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। हालांकि रक्षा मंत्री ने यह भी साफ तौर पर कहा कि मैं किसी प्रधानमंत्री की बुराई नहीं करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं पंडित नेहरू की आलोचना नहीं कर सकता। किसी की नीति खराब हो सकती है, नियत नहीं। उन्होंने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए हमारे सेना ने जो योगदान दिया है उसे भारत कभी भूल नहीं सकता है और देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए जिन जवानों ने शहादत दी है मैं उन सभी जवानों की स्मृति में शीश झुकाकर नमन करता हूं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि आज़ादी के बाद से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का ये पूरा इलाका 'मेन वॉर थिएटर' बना हुआ है। आज़ादी के बाद से ही इस पूरे इलाके पर दुश्मनों की गिद्ध दृष्टि लगी हुई थी लेकिन भारतीय सेनाओं ने अपने पराक्रम और बलिदान के परिणास्वरूप दुश्मनों के मंसूबों को नाकाम किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर पर भारत की संसद में प्रस्ताव पारित हुआ था। पाक अधिकृत कश्मीर भारत का हिस्सा था, भारत का हिस्सा है और रहेगा। ये कैसा हो सकता है कि शिव के स्वरूप बाबा अमरनाथ हमारे यहां हो और मां शारदा शक्ति स्वरूपा एनओसी के पार हो। इस दौरान आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबले भी वहां मौजूद रहे।

कांग्रेस दफ्तर से बरामद हुए भाजपा के झंडे, पार्टी ने कहा - शरारती तत्वों की हरकत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लखनऊ स्थित दफ्तर के एक कमरे से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के झंडे बरामद किए जाने के बाद हड़कंप मच गया। पार्टी इसे शरारती तत्वों की हरकत करार दे रही है। कांग्रेस सूत्रों ने रविवार को बताया कि शनिवार को पार्टी राज्य मुख्यालय के मुख्य भवन की तीसरी मंजिल पर बने एक कमरे में भाजपा के कुछ झंडे रखे पाए गए। उन्होंने बताया कि वे झंडे किसने और क्यों रखे, इसकी जांच की जा रही है। कांग्रेस के पूर्व नेता जीशान हैदर ने राजधानी लखनऊ के माल एवेन्यू इलाके में स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दफ्तर से भाजपा के झंडे बरामद होने का एक वीडियो ट्विटर पर साझा किया है। हैदर को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा को पद से हटाने की मांग करने के लिये अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अशोक सिंह ने इस घटना को शरारती तत्वों की हरकत बताया है। उनका कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिजली संयंत्रों में ईंधन के रूप में बायोमास के इस्तेमाल की योजना बनाएं राज्य : सरकार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

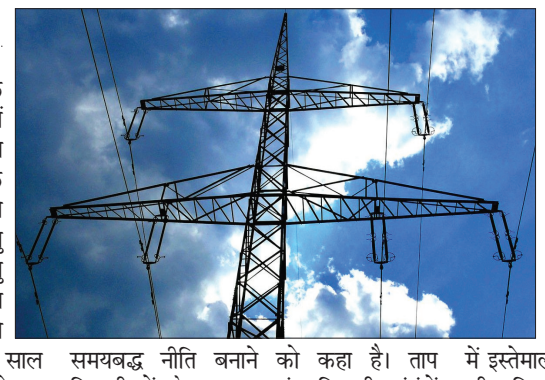

बिजली मंत्रालय ने राज्यों से खरीफ कटाई सत्र से पहले ताप बिजली संयंत्रों में कोयले के साथ ईंधन के रूप में बायोमास का भी इस्तेमाल करने के लिए एक समयबद्ध योजना बनाने को कहा है। इससे पराली जलाने में कमी आएगी और वायु प्रदूषण को कम किया जा सकेगा। वायु प्रदूषण की समस्या के हल तथा ताप बिजली संयंत्रों के कॉर्बन उत्सर्जन को घटाने के लिए बिजली मंत्रालय ने पिछल साल अक्टूबर में कृषि अपशिष्ट आधारित बायोमास के इस्तेमाल की नीति में संशोधन किया था।

संशोधित नीति के तहत ताप बिजली संयंत्रों के लिए कोयले के साथ ईंधन के रूप में पांच से सात प्रतिशत बायोमास के इस्तेमाल को अनिवार्य कर दिया गया था। पराली जलाने की वजह से देश को हर साल वायु प्रदूषण की समस्या से जूझना पड़ता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-से कहा कि बिजली मंत्रालय ने सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर कोयले के साथ बायोमास का ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने के लिए एक समयबद्ध नीति बनाने को कहा है। ताप बिजलीघरों के साथ स्वतंत्र बिजली संयंत्रों (आईपीपी) के लिए समयबद्ध योजना बनानी होगी। पत्र में मंत्रालय ने राज्यों/संघ शासित प्रदेशों से कहा है कि वे अपने संबंधित राज्य बिजली नियामक आयोग (एसईआरसी) के साथ इस मुद्दे को उठाएं जिससे बायोमास के इस्तेमाल को भी उनके शुल्क नियमनों में शामिल किया जा सके। बिजली मंत्रालय का यह कदम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि खरीफ की कटाई के बाद सर्दियों में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ जाता है। पत्र में मंत्रालय ने कहा है कि बिजली संयंत्रों में कोयले की आपूर्ति की हालिया समस्या की वजह से कोयले के साथ बायोमास का ईंधन के रूप में इस्तेमाल और महत्वपूर्ण हो जाता है।

पत्र में बायोमास के इस्तेमाल के आर्थिक पहलू का भी जिक्र किया गया है। इसमें गया है कि आयातित कोयले की लागत ऊंची बैठती है जबकि बायोमास कम मूल्य पर उपलब्ध होता है। इसमें कहा गया है कि बायोमास पेलेट का ईंधन के रूप में इस्तेमाल (को-फायरिंग) न केवल पर्यावरण की दृष्टि से अनुकूल है, बल्कि यह बिजली संयंत्रों के लिए आयातित कोयले की तुलना में एक सस्ता विकल्प भी है। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल को पूर्ण नीतिगत और नियामकीय समर्थन उपलब्ध कराने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि बिजली मंत्रालय ने पिछले साल जुलाई में ताप बिजली संयंत्रों में बायोमास के इस्तेमाल के लिए एक राष्ट्रीय मिशन 'समर्थ' भी स्थापित किया था। मंत्रालय ने कहा कि इस पहल तथा मिशन निदेशालय (समर्थ) के प्रयासों ने उत्साहवर्द्धक प्रगति की है। इसे और तेज करने की जरूरत है।

कुलदीप बिश्नोई ने नड्डा और खट्टर से की मुलाकात, तेज हुई भाजपा में जाने की अटकलें

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

हरियाणा से निष्कासित कांग्रेस विधायक कुलदीप बिश्नोई ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और हरियाणा के सीएम मनोहरलाल खट्टर से मुलाकात की है। इसके के बाद उनके भाजपा में शामिल होने की अकटलें लगाई जाने लगी हैं। इससे पहले जब कांग्रेस विधायक कुलदीप बिश्नोई को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा से सवाल पूछ गया था, तो उन्होंने कहा था कि बगावत के बाद भी पार्टी बिश्नोई को बाहर नहीं निकालेगी। हुड्डा ने कहा कि कुलदीप विश्नोई को खुद ही नैतिकता के आधार पर विधानसभा से इस्तीफा दे देना चाहिए। हुड्डा ने कहा था मैं उन्हें निष्कासित करने वाला नहीं हूं। नैतिक तौर पर उन्हें विधानसभा से इस्तीफा दे देना चाहिए। आपको बता दें कि बिश्नोई ने हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी।

राहुल गांधी ने अग्निपथ पर कहा, इस 'नए प्रयोग' के कारण देश की सुरक्षा और युवाओं का भविष्य दोनों खतरे में हैं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सैन्य भर्ती योजना 'अग्निपथ'को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ''प्रयोगशाला'' के इस ''नए प्रयोग'' के कारण देश की सुरक्षा और युवाओं का भविष्य खतरे में है। गांधी ने ट्वीट किया, ''60,000 सैनिक हर साल सेवानिवृत्त होते हैं और उनमें से सिर्फ 3,000 को सरकारी नौकरी मिल रही है।'' कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने कहा, ''चार साल के ठेके के बाद हजारों की संख्या में सेवानिवृत्त होने वाले अग्निवीरों का भविष्य क्या होगा?''

राहुल ने कहा, ''प्रधानमंत्री की प्रयोगशाला के इस नए प्रयोग से देश की सुरक्षा और युवाओं का भविष्य दोनों खतरे में हैं।'' इस योजना के तहत साढ़े 17 साल से 21 साल तक की आयु के युवाओं को केवल चार वर्ष के लिए भर्ती करने का प्रावधान है, जिनमें से 25 प्रतिशत 15 और साल के लिए सेना में रहेंगे। इस योजना की घोषणा के बाद देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन हुए थे। वर्ष 2022 के लिए ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 साल किया गया है।

दिल्ली में मंकीपॉक्स केस मिलने पर केजरीवाल बोले- घबराने की जरूरत नहीं है, एलएनजेपी में बना स्पेशल वार्ड

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज 34 वर्षीय एक व्यक्ति को मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया है। चिंता की बाद तो यह है कि उसने विदेश की कोई यात्रा नहीं की थी। अब यही कारण है कि मंकीपॉक्स को लेकर लोगों में एक डर दिखने लगा है। इन सब के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, स्थिति नियंत्रण में है। अपने ट्वीट में केजरीवाल ने लिखा कि मंकीपॉक्स का पहला मामला दिल्ली में सामने आया है। मरीज स्थिर है और ठीक हो रहा है। उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। स्थिति नियंत्रण में है। हमने एलएनजेपी में अलग आइसोलेशन वार्ड बनाया है। हमारी सबसे अच्छी टीम दिल्लीवासियों में इसे फैलने से रोकने और उनकी रक्षा करने के लिए काम कर रही है।

एलएनजेपी अस्पताल के निदेशक सुरेश कुमार ने कहा कि व्यक्ति को 2 दिन पहले भर्ती कराया गया था। उसे बुखार और त्वचा पर लाल चकत्ते थे। हमने उसे निगरानी में रखा। बाद में उसके नमूने पुणे भेजे गए और आज हमें रिपोर्ट मिली जिसमें वह मंकीपॉक्स के लिए सकारात्मक पाया गया। एसओपी के अनुसार उनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मरीज को आइसोलेट कर दिया गया है और वह अभी स्थिर है और ठीक हो रहा है। यह एक डीएनए वायरस है और चिकनपॉक्स के समान है। हमें फेस मास्क पहनना होगा, ट्रांसमिशन को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखनी होगी।

आपको बता दें कि भारत में मंकीपॉक्स संक्रमण का यह चौथा मामला सामने आया है। संक्रमित पाए गए व्यक्ति ने हाल में हिमाचल प्रदेश के मनाली में एक जश्न में हिस्सा लिया था। पश्चिमी दिल्ली के रहने वाले इस व्यक्ति में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलहाल यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह व्यक्ति कैसे संक्रमित हुआ। इससे पहले, केरल में मंकीपॉक्स के तीन मामले सामने आए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को कहा था कि 70 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स फैलना एक ''असाधारण'' हालात है और यह अब वैश्विक आपात स्थिति है। मंकीपॉक्स संक्रमित जानवर के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क में आने से मनुष्यों में फैलता हैं।

सोनिया गांधी के खिलाफ भाजपा प्रवक्ता की टिप्पणी पर आक्रामक हुई कांग्रेस, जेपी नड्डा से की यह मांग

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता प्रेम शुक्ला द्वारा सोनिया गांधी के लिए ''आपत्तिजनक भाषा'' का इस्तेमाल करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से रविवार को माफी मांगने के लिए कहा। कांग्रेस ने ऐसा दोबारा होने पर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराने की चेतावनी दी। भाजपा प्रमुख नड्डा को लिखे पत्र में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस 23 जुलाई को एक राष्ट्रीय समाचार चैनल पर चर्चा के दौरान शुक्ला द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के लिए ''अभद्र और अपमानजनक'' का इस्तेमाल किए जाने पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराती है। रमेश ने कहा कि संस्कृति के बारे में बात करने वाले भाजपा के शीर्ष नेताओं और प्रवक्ताओं ने देश की महिलाओं खासतौर से एक राष्ट्रीय पार्टी की 75 वर्षीय अध्यक्ष के खिलाफ बार-बार आपत्तिजनक का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, ''विपक्ष के नेताओं के लिए आपत्तिजनक का इस्तेमाल करना भाजपा की महिला विरोधी सोच को दिखाता है। ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियों के कारण देश की राजनीति का स्तर नीचे गिर रहा है।''

रमेश ने नड्डा को लिखे अपने पत्र में कहा कि महिलाओं का सम्मान करना वैदिक काल से ही भारत की महान परंपरा रही है और इसलिए सत्तारूढ़ भाजपा से राजनीति में शालीनता और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार की उम्मीद की जाती है लेकिन पार्टी ने अपनी और व्यवहार से बार-बार निराश किया है। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी जी और आपसे (नड्डा) हमारी अपील है कि आप अपनी पार्टी नेताओं की शर्मनाक और अभद्र टिप्पणियों के लिए देश की महिलाओं से माफी मांगें और साथ ही अपने प्रवक्ताओं तथा नेताओं को राजनीति की प्रतिष्ठा को नुकसान न पहुंचाने और आपत्तिजनक के इस्तेमाल से दूर रहने के लिए भी कहें।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''हमारी अध्यक्ष या किसी अन्य नेता के लिए अनुचित का बार-बार इस्तेमाल करने से हम मानहानि का मुकदमा जैसे कानूनी कदम उठाने के लिए विवश हो जाएंगे।'' इससे पहले एक बयान में रमेश ने कहा कि शुक्ला की टिप्पणियों से भाजपा का 'महिला विरोधी' चेहरा दिखाई दिया है।

रमेश ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता की आपत्तिजनक दिखाती है कि भाजपा न तो महिलाओं का सम्मान करती है और न ही वह राजनीति में शालीनता में यकीन रखती है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब भाजपा के किसी नेता ने महिलाओं के खिलाफ अभद्र का इस्तेमाल किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश जानता है कि प्रधानमंत्री मोदी समेतभाजपा के कई नेताओं ने देश की सम्मानित महिलाओं और खासतौर से विपक्षी नेताओं के खिलाफ ''आपत्तिजनक'' टिप्पणियां की हैं। रमेश ने कहा, ''जब प्रधानमंत्री जैसे उच्च पद पर आसीन व्यक्ति पद की गरिमा कम करता है तो उनकी पार्टी के प्रवक्ता स्वाभाविक तौर पर विपक्षी नेताओं के खिलाफ अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करेंगे।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने अभी तक अपने अनुचित शब्दों के लिए माफी नहीं मांगी है। इस तरह की अपमानजनक और शर्मनाक टिप्पणियों के कारण देश की राजनीति का स्तर लगातार गिर रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्वेसिक नातेदारी अर्थात आरटीआई की धारा 8(1)(ई) पर आयोजित हुआ 109 वां राष्ट्रीय वेबिनार

धारा 2(जे)(3) के तहत किसी कार्य का सैंपल लिया जा सकता है - राहुल सिंह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूचना के अधिकार कानून में अमूमन जानकारी देने से मना करने के लिए लोक सूचना अधिकारियों और प्रथम अपीलीय अधिकारियों के द्वारा धारा 8, 9 और 11 का हवाला दिया जाता है। इसी श्रृंखला में धारा 8(1)(ई) में जब कोई जानकारी नहीं देना होता तो लोक सूचना अधिकारी वैश्वेसिक नातेदारी बता कर जानकारी देने से मना कर देते हैं। ऐसे ही एक मामले में पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्तशैलेश गांधी ने कुल 10 मामलों में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मामले पर जानकारी सार्वजनिक करने के लिए आदेश दिया था लेकिन इसके बाद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया और मामला अभी भी सुप्रीम कोर्ट की रिवीजन बेंच में चल रहा है।

वैश्वेसिक नातेदारी कह कर जानकारी देने से मना नहीं किया जा सकता - शैलेश गांधी

पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने कार्यक्रम में बताया की फ़ेडयूसरी रिलेशनशिप अर्थात वैश्वेसिक नातेदारी बता कर लोक सूचना अधिकारी जानकारी देने से मना नहीं कर सकते। कुछ जानकारियां ऐसी होती है जिन्हें नहीं दिया जा सकता लेकिन आज शासन और प्रशासन स्तर पर माग की जाने वाली 99 प्रतिशत जानकारी देने योग्य होती है और उसे पब्लिक पोर्टल पर रखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि अपवाद लागू नहीं होते तो जानकारी प्राप्त करने के लिए लोकहित भी बताया जाना आवश्यक नहीं है। क्योंकि लोकहित को साबित करना काफी मुश्किल काम होता है। पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने कहा कि ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन बोलने और लिखने के लिए भी हमें परमिशन लेनी पड़ेगी जो कि लोकतंत्र के लिए खतरा है।

धारा 2(जे)(3) के तहत किसी कार्य का सैंपल लिया जा सकता है - सूचना आयुक्तराहुल सिंह

रीवा से एक आरटीआई आवेदक पुष्पराज तिवारी के द्वारा पूछे जाने पर कि उन्होंने आरटीआई लगाया था जिस पर सूचना आयोग का सैंपल देने के लिए आदेश हुआ था परंतु अधिकारी अभी भी घुमा फिरा रहे हैं इस पर मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्तराहुल सिंह ने कहा की धारा 2(जे)(3) के तहत सैंपल दिया जाना चाहिए और यदि आयोग के आदेश की अवमानना हो रही है तो धारा 18 की शिकायत आयोग में करें जिस पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। वैश्वेसिक नातेदारी विषय पर राहुल सिंह ने कहा कि हमारे पास जो भी आवेदन आते हैं उन पर वह अधिक से अधिक जानकारी दिलवाने का प्रयास करते हैं और लोक सूचना अधिकारियों के ऊपर गलत तरीके से जानकारी छुपाए जाने पर पेनाल्टी लगाई जा रही है।

यदि लोकहित साबित न हो तो लोक सूचना अधिकारी जानकारी देने से मना कर सकता है - अजय कुमार उप्रेती

आरटीआई कानून की धारा 8(1)(ई) विषय पर वैश्वेसिक नातेदारी के प्रश्न पर उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त अजय कुमार उप्रेती ने बताया कि कई बार काफी निजी किश्म की जानकारी मांगी जाती है जिसमें इनकम टैक्स रिटर्न और बैंक की निजी जानकारी होती है ऐसी जानकारी लोक सूचना अधिकारी देने के लिए बाध्य नहीं होते हैं। इसलिए जब तक ऐसे मामलों में व्यापक लोकहित प्रदर्शित न किया जाए अथवा कोई भ्रष्टाचार अथवा अन्य मामला प्रदर्शित न हो तब तक इस प्रकार की जानकारी देना उचित नहीं रहता क्योंकि किसी व्यक्ति के इनकम टैक्स रिटर्न और फाइनेंशियल बैंक की निजी जानकारी का दुरुपयोग भी किया जा सकता है और वह उसकी निजता के हनन की श्रेणी में आता है। इसी प्रकार डॉक्टर और मरीज के विषय की भी जानकारी उनके दवाई के प्रिसक्रिप्शन एवं मेडिकल हिस्ट्री भी धारा 8(1)(ई) के तहत लोक सूचना अधिकारी देने से मना कर सकता है।

यदि जानकारी देने से मना किया जा रहा है तो लोकहित प्रदर्शित किया जाना चाहिए - आत्मदीप

वेबीनार के अगले चरण में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने बताया कि कई बार अपील की प्रक्रिया से गुजरने से बेहतर होता है कि लोक सूचना अधिकारी के स्तर पर ही आवेदकों को लोकहित बता देना चाहिए जिससे जानकारी प्राप्त करने में आसानी रहे और अपील से बचें। हालांकि कुछ पार्टिसिपेंट्स ने यह भी कहा कि लोकहित बताकर उसे सिद्ध करना काफी मुश्किल कार्य होता है लेकिन पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने बताया कि अपना पक्ष रखने में कोई हर्ज नहीं है और अपना पक्ष तर्क सम्मत तरीके से रखना चाहिए।

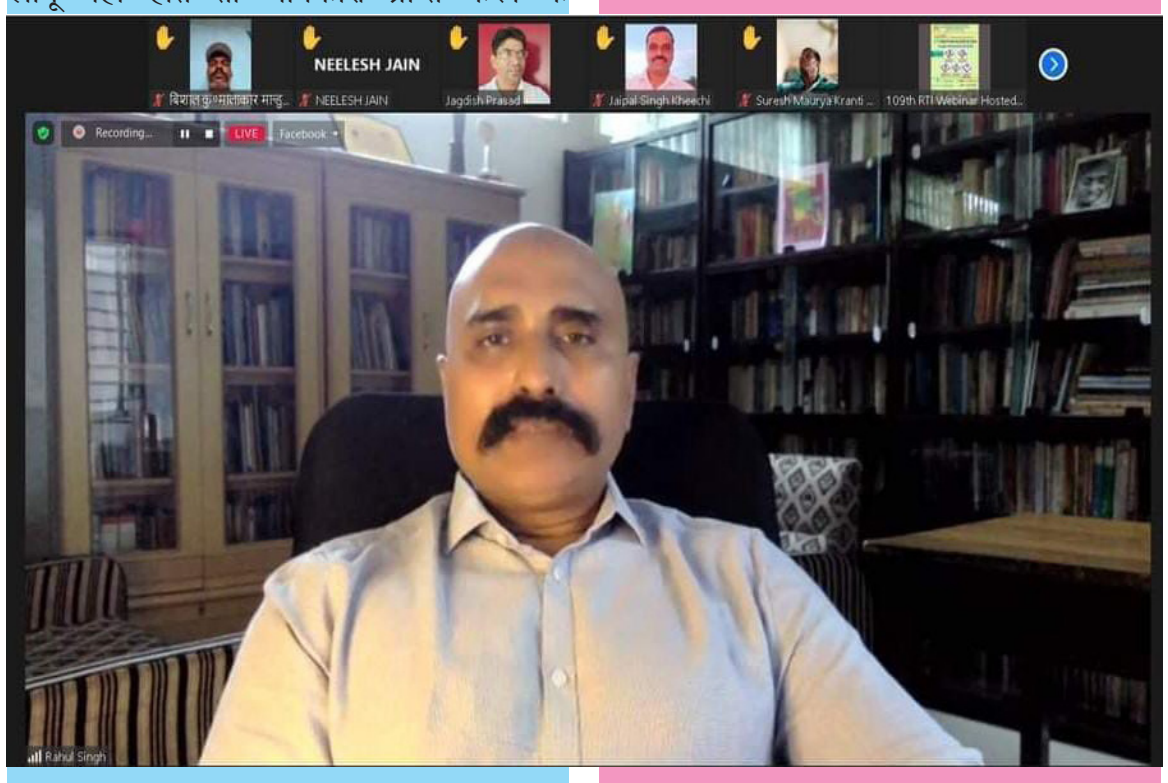

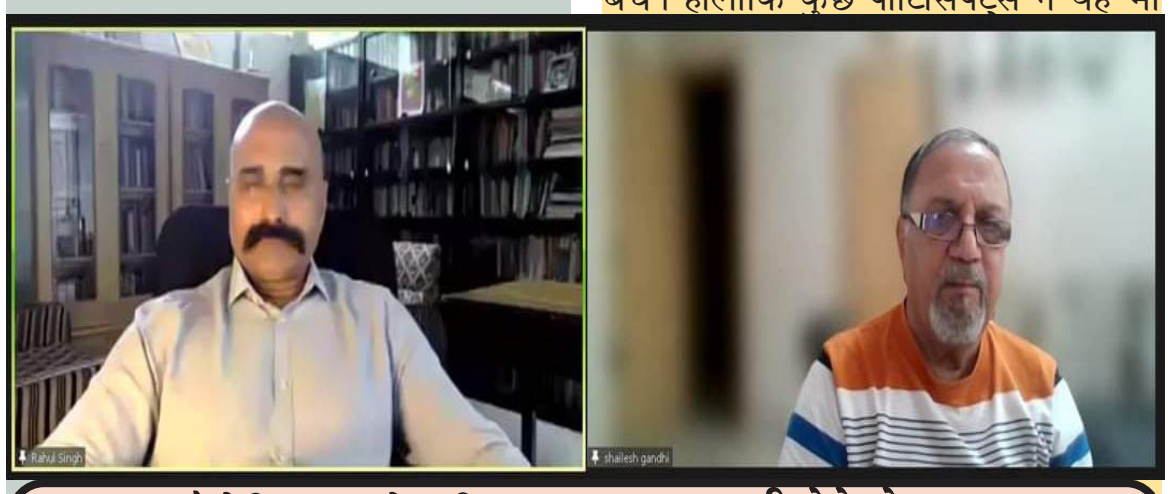

वैश्वेसिक नातेदारी बताकर जानकारी देने से मना नहीं किया जा सकता शैलेश गांधी

अपील तक ना जाना पड़े इसके लिए लोक सूचना अधिकारी स्तर पर लोकहित बताकर जानकारी प्राप्त की जा सकती है आत्मदीप

इस प्रकार कार्यक्रम में संपूर्ण देश से पचासों आरटीआई कार्यकर्ता, आवेदक और पार्टिसिपेंट्स ने हिस्सा लिया और अपने अपने प्रश्न रखें और उनके जवाब पाए। कार्यक्रम में उत्तराखंड से आरटीआई रिसोर्स पर्सन वीरेंद्र कुमार ठक्कर, सहित अन्य कई पार्टिसिपेंट्स ने अपने विचार रखे।

राष्ट्रीय स्तर के 109 वें सूचना के अधिकार वेबीनार कार्यक्रम का संचालन एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी, अन्य सहयोगियों के द्वारा किया गया।